* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

28 मई, 2023
ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, नवमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 08, अंक 217

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कर्नाटक मंत्रिमंडल का विस्तार, 24 मंत्री शामिल मुख्यमंत्री के पास वित्त और इंटेलिजेंस, डीके को बेंगलुरु डेवलपमेंट और इरिगेशन

नीति आयोग की बैठक : 10 राज्यों के सीएम नहीं हुए शामिल

राज्य बढ़ेंगे, तो देश बढ़ेगा : मोदी

● बहिष्कार करनेवालों पर भाजपा ने साधा निशाना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की आठवीं बैठक शनिवार को यहां संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। बैठक में देश के तेजी से विकास के लिए रणनीति तैयार की गयी। बैठक में 'विकसित भारत' पर चर्चा हुई। हालांकि यह बैठक भी राजनीति की भेंट चढ़ गयी, क्योंकि 10 राज्यों के सीएम इसमें शामिल नहीं हुए। नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने के इस फैसले को भाजपा ने जनविरोधी और गैर जिम्मेदाराना बताया। प्रगति मैदान में हुई बैठक का मुख्य विषय 'विकसित भारत@2047 : टीम इंडिया की भूमिका' था। बैठक से पहले आयोग ने एक बयान में कहा था कि यहां एमएसएमइ, बुनियादी ढांचा और निवेश, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य एवं पोषण, कौशल विकास, और गति शक्ति सहित प्रमुख विषयों पर चर्चा की जायेगी। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री या उपराज्यपालों को बैठक में आमंत्रित किया गया था।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए साझा विजन विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब राज्य बढ़ते हैं, तो भारत बढ़ता है। प्रधानमंत्री ने राज्यों से वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण निर्णय लेने का आग्रह किया, ताकि वे वित्तीय रूप से मजबूत बन सकें और नागरिकों के सपनों को पूरा करने वाले कार्यक्रमों को पूरा करने में सक्षम हो सकें।

इन लोगों ने किया किनारा : बैठक से दूर रहनेवालों में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, पंजाब के भगवंत मान, पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी, बिहार के नीतीश कुमार, तेलंगाना सीएम के चंद्रशेखर राव, राजस्थान के अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल, केरल के पिनाराई विजयन और तमिलनाडु के एमके स्टालिन और कर्नाटक के सिद्धारमैया शामिल हैं।

रविशंकर का हमला

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नीति आयोग देश के विकास और योजनाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस बैठक के लिए एक सौ मुद्दे तय किये गये हैं। अब जो मुख्यमंत्री नहीं आये हैं, वे अपने प्रदेश की जनता की आवाज यहां तक नहीं ला रहे हैं। उन्होंने शामिल नहीं होने वाले उन सभी मुख्यमंत्रियों से पूछा कि आखिर वे मोदी विरोध में कहां तक जायेंगे।

बैठक में सीएम हेमंत सोरेन ने दमदार तरीके से रखी झारखंड की मांग

सहकारी संघवाद के सिद्धांतों को धरातल पर उतारते हुए हमें उचित सहयोग दिया जाये : हेमंत

झारखंड देश के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करने को सदैव तत्पर रहा है और रहेगा

एमएसएमइ सेक्टर में स्थायी पूंजी पर देय पूंजीगत सब्सिडी को 25 फीसदी से बढ़ाकर अधिकतम 40 फीसदी तक किया जा रहा है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/नयी दिल्ली। झारखंड में विगत तीन वर्षों में विकास की गति में काफी तेजी आयी है। यहां आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निवेश की असीम संभावनाएं हैं और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री से आग्रह है कि सहकारी संघवाद के सिद्धांतों को धरातल पर उतारते हुए झारखंड को उचित सहयोग प्रदान किया जाये, जिससे विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में झारखंड भी अपनी भागीदारी दर्ज करा सके। ये बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नीति आयोग की शासी परिषद् की आठवीं बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किये गये हैं। मैं इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि झारखंड देश के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करने के लिए सदैव तत्पर रहा है और रहेगा।

विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का हो रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा, विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने और झारखंड की मूलभूत सरंचना को मजबूत बनाने के लिए सरकार सार्थक प्रयास कर रही है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के प्रयासों से निवेशकों में विश्वास बढ़ेगा और निवेशक प्राकृतिक संपदाओं से परिपूर्ण राज्य में निवेश हेतु प्रोत्साहित होंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एमएसएमइ क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए पृथक एमएसएमइ निदेशालय की स्थापना एवं वर्तमान जिला उद्योग केंद्रों को जिला एमएसएमइ केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। राज्य एवं जिला में समन्वय स्थापित कर 2.8 लाख से अधिक पंजीकृत एमएसएमइ उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

नये संसद भवन का उद्घाटन आज

■ सुबह साढ़े सात बजे हवन-पूजन के साथ होगा शुभारंभ

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर 12 बजे करेंगे उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। नये संसद भवन के उद्घाटन की उलटी गिनती शुरु हो गयी है। रविवार सुबह सात बजे हवन-पूजन के साथ उद्घाटन समारोह शुरू होगा। इसे लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। दिन में 12 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नये संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैशटैग माइ पार्लियामेंट माइ प्राइड के साथ नया ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि लोगों में नये संसद भवन का उत्साह नजर आ रहा है। कई लोग इस हैशटैग पर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। बहुत ही भावुक वॉयस-ओवर के माध्यम से वे गर्व की भावना व्यक्त कर रहे हैं कि हमारे देश को एक नया संसद भवन मिल रहा है, जो लोगों की आकांक्षाओं को और अधिक जोश के साथ पूरा करने के लिए काम करता रहेगा।

उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दूरदर्शन के सभी चैनलों पर किया जायेगा। समारोह में भाग लेने के लिए थिरुवदुथुराई अधीनम दिल्ली रवाना हो गये हैं। धर्मपुरम अधीनम के संत ही उद्घाटन समारोह के दौरान पीएम मोदी को पवित्र राजदंड सेंगोल प्रदान करेंगे। वह अपने साथ कुछ उपहार भी ला रहे हैं। सुबह साढ़े नौ बजे तक

कार्यक्रम का पहला चरण पूरा होगा। सभी रस्में संसद के निकट स्थित गांधी प्रतिमा के निकट पंडाल में शुरू होंगी। पूजा के बाद गणमान्य लोग लोकसभा और राज्यसभा कक्ष के परिसर का निरीक्षण करेंगे। नये संसद भवन में प्रार्थना सभा का भी आयोजन होगा। राष्ट्रगान के साथ दूसरे चरण का प्रारंभ होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी 75 रुपये का सिक्का और स्टांप जारी कर भाषण देंगे।

इन हस्तियों को आमंत्रित किया गया है : समारोह में दोनों सदनों के मौजूदा सदस्यों के अलावा लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सभापति को भी न्योता भेजा गया है। सभी मुख्यमंत्रियों को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा सभी केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों को भी निमंत्रण भेजा गया है। नये संसद भवन के मुख्य वास्तुकार बिमल पटेल और प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा को भी आमंत्रित किया गया है। कुछ फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों सहित कुछ प्रमुख हस्तियों को भी निमंत्रण भेजा गया है।

(विशेष पेज 2 पर)

ये दल समारोह में हिस्सा लेंगे

शिवसेना (शिंदे), मेघालय की नेशनल पीपुल्स पार्टी, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, जननायक पार्टी, अन्नाद्रमुक, आइएमकेएमके, आजसू, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, मिजो नेशनल फ्रंट, तमिल मनीला कांग्रेस, आइटीएफटी (त्रिपुरा), बोडो पीपुल्स पार्टी, पट्टाली मक्कल कच्ची, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, अपना दल, असम गण परिषद, लोक जनशक्ति पार्टी (पासवान), बीजू जनता दल (बीजद), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाइएसआरसीपी), अकाली दल और जनता दल सेक्यूलर (जेडीएस) समारोह में शामिल होंगे।

ये दल करेंगे बहिष्कार

कांग्रेस, डीएमके, आप, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), समाजवादी पार्टी, भाकपा, झामुमो, केरल कांग्रेस (मणि), विदुथलाई चिरुथिगल कच्ची, रालोद, टीएमसी, जदयू, एनसीपी, सीपीआइ (एम), राजद, एआइएमआइएम, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, नेशनल कांफ्रेंस, रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और मरुमलार्ची द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (एमडीएमके) समारोह में शामिल नहीं रहेंगे।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 57,000 रु./10 ग्राम
चांदी 78,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 28 मई, 2023
www.azadsipahi.in

देश की ताकत, संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है नया संसद भवन

■ समृद्ध विरासत, विकसित वर्तमान और सुनहरे भविष्य के आइने को आज देश को समर्पित करेंगे मोदी

आजाद सिपाही विशेष

तरक्की की ओर भारत के बढ़ते कदमों के रूप में ही आजादी की 75वीं सालगिरह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को नये संसद भवन की सौगात देने जा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत अब इस भवन में बैठेगी, जिसका शिलान्यास 10 दिसंबर, 2020 को पीएम मोदी ने ही किया था। इस तरह 28 मई, 2023 की तारीख भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में अमिट हो जायेगी, क्योंकि पीएम मोदी देश को स्वनिर्मित संसद भवन का तोहफा देंगे। अब तक भारत की संसद जिस इमारत में बैठती थी, उसका निर्माण ब्रिटिश राज के दौरान किया गया था। संसद भवन का निर्माण ब्रिटिश भारत में एडविन लैंडसियर लुटियंस और सर हर्बर्ट बेकर ने किया था। इसे 1921 में प्रारंभ कर 1927 में पूरा किया गया था।

राकेश सिंह

कहा जाता है कि वह पीढ़ी बहुत भाग्यशाली होती है, जिसके दौर में इतिहास बनता है या करवट लेता है। इस लिहाज से भारत की वर्तमान पीढ़ी 1947 में आजादी की हवा में सांस लेनेवाली पीढ़ी से अधिक भाग्यशाली है, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नया संसद भवन मिलने की गवाह यही पीढ़ी होने जा रही है। यह मौका बहुत खास है। आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र के लिए यह एक तरह से सबसे बड़ा मौका है, लेकिन इसके उद्घाटन को लेकर जिस तरह से राजनीति हो रही है, वह हमारी संसदीय प्रणाली के लिए सही नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नये भवन का उद्घाटन करेंगे और कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसी बात का विरोध कर रहे हैं कि इस भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों नहीं, बल्कि राष्ट्रपति के द्वारा किया जाना चाहिए। कांग्रेस समेत 19 दलों ने उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने की घोषणा की है। इन दलों का कहना है कि मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नये संसद भवन के उदघाटन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर रही है। प्रसंगवश यह उल्लेख करना जरूरी है कि विरोध करनेवालों में अधिकतर वही दल शामिल हैं, जिन्होंने राष्ट्रपति के चुनाव में आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू का विरोध किया था और उन्हें हराने के लिए यशवंत सिन्हा को विपक्ष का उम्मीदवार बनाया था। उस समय उनका आदिवासी प्रेम नहीं उमड़ा था।

देश के लिए ऐतिहासिक पल

बहरहाल, इस सियासत की बात बाद में। पहले नये संसद भवन की बात। देश को नया संसद भवन मिलना कई लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। यह एक अलग मुद्दा है कि देश को नये संसद भवन की जरूरत थी या नहीं, लेकिन जब नया संसद भवन बन कर तैयार हो गया है, तो अब ये बहस बेमानी हो गयी है। नया संसद भवन इस लिहाज से भी बेहद खास हो जाता है कि अब तक संसदीय प्रणाली के तहत विधायिका का काम जिस इमारत से किया जा रहा था, वह इमारत आजादी के पहले की बनी हुई है। उसे हम पर शासन और जुल्म ढानेवाले अंग्रेजों ने बनवाया था। उसी इमारत से अंग्रेज भारतीयों को कुचलने का हर कुचक्र रच रहे थे। यह अलग बात है कि पुराने संसद भवन में भी पैसा और खून-पसीना पूरी तरह से भारत का ही लगा था। लेकिन नये संसद भवन के साथ अब हम उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गये हैं, जिनके पास किसी भी हुकूमत से मिली आजादी के बाद खुद का बनाया हुआ संसद भवन है। यह एक तरह से पूरे देश के लिए गर्व का विषय भी है।

भारतीयता का प्रतीक है यह भवन

नये संसद भवन का उद्घाटन कोई करे, मायने उसका नहीं है। अब ज्यादा मायने यह रखता है कि देश को अपना बनाया हुआ संसद भवन मिल रहा है। लोकतंत्र के प्रतीक के तौर पर यह न तो सरकार का है, न सत्ताधारी पार्टी या फिर विपक्षी दलों का है। ये देश का है, यहां के हर नागरिक का है, यह हम सबकी पहचान से जुड़ा है। हम कह सकते हैं कि आजादी के बाद एक नजरिये से देश के लिए यह सबसे बड़ा मौका है। इसका सीधा संबंध भारतीय लोकतंत्र, संसदीय प्रणाली और देश की पहचान से है। सच्चाई यही है कि 28 मई के बाद भविष्य में यह भवन हमेशा-हमेशा के लिए भारत और भारतीयता की पहचान के तौर पर देखा जायेगा। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार और विपक्ष दोनों को ही इस पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए।

क्या खास है नये संसद भवन में

इस नये संसद भवन में लोकसभा सांसदों के लिए लगभग 888 और राज्यसभा सांसदों के लिए 384 से अधिक सीटें हैं। इसमें दोनों सदनों के साझा सत्र में 1272 सांसदों से भी अधिक के बैठने की व्यवस्था है। दर्शक दीर्घा और गणमान्य अतिथियों के बैठने के लिए भी सीटों की संख्या बढ़ायी गयी है। कई बार विदेशी प्रतिनिधिमंडल या राजनयिक भी संसद की कार्यवाही देखने के लिए आमंत्रित किये जाते हैं। स्वाभाविक है कि समुन्नत, सुव्यवस्थित और आधुनिकीकृत, तकनीक-सिद्ध संसद भवन उनके मन में भारत की बेहतर छवि बनायेगा। इस लिहाज से नया संसद भवन भारत के सामर्थ्य को प्रतिबिंबित कर रहा है।

नये संसद भवन को त्रिकोण के आकार में डिजाइन किया गया है। इसे मौजूदा परिसर के पास ही बनाया गया है। साढ़े 64 हजार वर्गमीटर में बने इस नये संसद भवन की लागत लगभग 971 करोड़ रुपये है। इसे चार मंजिला रखा गया है। इसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा सभापति, प्रधानमंत्री और सांसदों के आने-जाने के लिए सुगमता की दृष्टि से चार प्रवेश द्वार हैं। इसे पेपरमुक्त और प्रदूषणमुक्त रखे जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें बिजली की 30 प्रतिशत कम खपत होगी। नये संसद भवन में हर सांसद के लिए उनका एक कार्यालय भी है। गौरतलब है कि मौजूदा संसद भवन में सभी सांसदों के लिए कार्यालय का अभाव है। फिलहाल सभी सांसदों की सीट के सम्मुख केवल एक माइक लगी होती है, पर नयी व्यवस्था में उनकी सीट के सामने आंकड़ों और जानकारियों से लैस टेबलेट की सुविधा प्रदान की गयी है।

नये संसद भवन के निर्माण में भारत के वास्तुकार, भारत का धन और भारत का श्रम लगा है। इसके वास्तुकार बिमल पटेल हैं, जो इस समय के मशहूर और जाने-माने आर्किटेक्ट हैं। इसके निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से दो हजार इंजीनियर और कामगार तथा परोक्ष रूप से लगभग नौ हजार कामगार जुड़े। एक प्रकार से यह नये और आत्मनिर्भर भारत का गौरवशाली प्रतीक है। यह जन-मन की आशाओं और आकांक्षाओं का केंद्रबिंदु है। निर्माण चाहे भौतिक भवनों या वस्तुओं का ही क्यों न हो, वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को प्रेरित और उत्साहित करता है, वह इरादों और हौसलों को परवान चढ़ाता है, उम्मीदों और सपनों को पंख देता है, वह राष्ट्र की सामूहिक चेतना और संकल्प शक्ति को मजबूत बनाता है। नया संसद भवन भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का गौरवशाली कीर्तिस्तंभ है। यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। यह राष्ट्र के मस्तक का जगमगाता रत्नजड़ित मान-मुकुट है। प्रधानमंत्री के शब्दों में 'नया संसद भवन नूतन और पुरातन के सह-अस्तित्व का उदाहरण है। लोकतंत्र के इस मंदिर की वास्तविक प्राण प्रतिष्ठा इसमें चुन कर आये जन प्रतिनिधियों के आचार-विचार-व्यवहार से होगी। नये संसद-भवन का उद्घाटन निश्चित ही नये संकल्पों के उद्घाटन का अवसर बनेगा। इस अवसर पर हर नागरिक को 'भारत प्रथम, राष्ट्र सर्वोपरि' का संकल्प लेना चाहिए। संसद का नया भवन हम सबको नया आदर्श गढ़ने और जीने की प्रेरणा देगा। संवाद और सहमति का दूसरा नाम ही लोकतंत्र है। कहना और सुनना दोनों सतत चलते रहना चाहिए।'

इस इमारत में देश के अलग-अलग हिस्सों की मूर्तियां और आर्ट वर्क बनाये गये हैं। इसके अलावा इसमें देश में पूजे जानेवाले जानवरों की झलकियां भी दिखायी जायेंगी। इनमें गरुड़, गज, अश्व और मगर शामिल हैं। इसके अलावा भवन में तीन द्वार बनाये गये हैं, जिन्हें ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार नाम दिया गया है। इस इमारत में भारत के आधुनिक बनने तक के सफर की झलक भी देखने को मिलेगी।

इस इमारत में एक भव्य संविधान हॉल, एक लाउंज, एक लाइब्रेरी, डाइनिंग हॉल और पार्किंग की जगह भी होगी। लोकतंत्र के मंदिर के निर्माण के लिए देशभर से अनोखी सामग्रियों को जुटाया गया है, जो एक भारत श्रेष्ठ भारत की सच्ची भावना को दर्शाता है।

उद्घाटन पर राजनीति परिपक्वता की निशानी नहीं

जहां तक रही बात राजनीति की, तो जब यह भवन बन ही गया है और यह किसी पार्टी या सरकार का भवन नहीं है, बल्कि देश का है, तो ऐसे में इसके उद्घाटन को लेकर राजनीति परिपक्व लोकतंत्र का परिचायक कतई नहीं हो सकती। चाहे सरकार हो या फिर सत्ताधारी दल भाजपा और दूसरी तरफ कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, जदयू, राजद, एनसीपी समेत कई विपक्षी दल। इन सभी को यह बेहतर तरीके से समझना चाहिए कि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं, जिन पर राजनीति की बजाय एकजुटता होनी चाहिए, ताकि वैश्विक पटल पर यह संदेश जाये कि हम देश और देश से जुड़े गौरव के प्रतीक पर एकजुट होना भी जानते हैं। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नये संसद भवन का उद्घाटन करने जा रहे हैं और इसके लिए उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से आमंत्रित किया गया है। दरअसल, संसद परिसर की देखरेख की जिम्मेदारी लोकसभा सचिवालय के तहत आती है। इसी नजरिये से सैद्धांतिक तौर से लोकसभा स्पीकर ही इस भवन के उद्घाटन के लिए किसी को भी आमंत्रित कर सकते हैं।

लोकतंत्र में संसद सिर्फ इमारत नहीं

जहां तक बात है राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नये संसद भवन का उद्घाटन नहीं कराया जाना, या फिर उन्हें इस समारोह में नहीं बुलाया जाना, तो यह समझना होगा कि भारत और यहां के लोगों को नया संसद भवन मिल रहा है, नयी संसद नहीं। लोकतंत्र के तहत संसदीय प्रणाली में संसद सिर्फ एक इमारत का नाम नहीं होता है। यह लोकतंत्र का प्रतीक होने के साथ देश के हर नागरिक की भावनाओं को समेटे हुए एक व्यवस्था का सर्वोच्च प्रतीक भी है।

राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा है मुद्दा

ये सब संविधान, सिद्धांत और व्यवहार की बातें हैं, लेकिन जब देश को नया संसद भवन मिल रहा हो, तो फिर सरकार के साथ ही तमाम विपक्षी दलों को यह जरूर सोचना चाहिए कि मुद्दा राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा है। इस दृष्टिकोण से दोनों को ही समझदारी दिखाने की जरूरत है।

विपक्षी पार्टियों को भी राजनीति से बचना होगा

इसके साथ ही कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों को भी यह गंभीरता से सोचना चाहिए कि नये संसद भवन का उद्घाटन कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। अगर राष्ट्रपति की जगह प्रधानमंत्री ही उस इमारत का उद्घाटन कर रहे हैं, तो भी यह कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर राजनीतिक नजरिये से लाभ-हानि सोच कर रणनीति बनायी जाये। ऐसे भी इस देश में कई मौके आये हैं, जब किसी इमारत के उद्घाटन में बहुत तरह की ऊंच-नीच देखने को मिली है और यह भी सोचना होगा कि उद्घाटन का अधिकार कोई संवैधानिक अधिकार नहीं होता। सैद्धांतिक तौर से यह किसी संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन भी नहीं है। यह तो बस व्यवहार की बात है।

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों की ओर से जब यह कहा जाता है कि देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को दरकिनार किया जा रहा है, तो यहीं पर ये सारे दल एक बड़ी गलती कर दे रहे हैं। अगर द्रौपदी मुर्मू की बजाय अभी कोई और राष्ट्रपति होता या होती, जिनका संबंध आदिवासी समुदाय से नहीं होता, तो क्या यह उनके लिए मुद्दा नहीं रहता। अगर उनको इसे मुद्दा बनाना ही था, तो राष्ट्रपति पद को लेकर बनाते, उसमें आदिवासी और महिला शब्दों का घालमेल तो यही दिखाता है कि मकसद सिर्फ राजनीतिक नफा-नुकसान है। कांग्रेस समेत जिन 19 दलों ने नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है, उनमें वे सारे दल ही शामिल हैं, जो एक तरह से 2024 के चुनाव में भाजपा के खिलाफ देशव्यापी स्तर पर विपक्षी गठबंधन बनाने की चाह रखते हैं। इस बहिष्कार से बीजद के नवीन पटनायक, वाइआरएस कांग्रेस के जगनमोहन रेड्डी, टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और शिरोमणि अकाली दल ने अपने आप को दूर रखा है, यानी ये दल समारोह में शामिल होंगे। मायावती भी समारोह में शामिल होंगी।

संसद सिर्फ सरकार से नहीं बनती है

अब जरा सोचिये कि संसद सिर्फ सरकार या सत्ताधारी दल से नहीं बनती है। इसके संगठन और सार्थकता में विपक्षी दलों की भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अब यह कैसा लगेगा कि देश को नया संसद भवन मिल रहा है, देश को नये संसद भवन के तौर पर लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रतीक मिल रहा है और उस मौके से ज्यादातर विपक्षी दल गायब हैं या बहिष्कार मुहिम में शामिल हैं। देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय जगत में भी यह सही संदेश नहीं होगा।

विपक्ष को फायदा से ज्यादा नुकसान ही होगा

विपक्षी दलों को एक बात समझनी चाहिए कि नया संसद भवन सिर्फ सरकार का नहीं है। यह देश के हर नागरिक की तरह उनका भी है, देश के तमाम दलों का है। अगर कांग्रेस और उनके साथ बाकी कई दल सिर्फ चुनावी नजरिये से संसद भवन जैसे मसले को मुद्दा बना रहे हैं, तो ये सारे दल भूल कर रहे हैं। भारत में लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दे ज्यादा अहमियत रखते हैं और ज्यादातर लोग यही मान कर चलेंगे कि देश को नया संसद भवन मिल रहा है, यह राष्ट्रीय अस्मिता का विषय है। ऐसे में कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल एक तरह से अपना ही नुकसान कर रहे हैं और भाजपा का इससे कोई नुकसान नहीं, बल्कि बहुत ज्यादा फायदा ही होनेवाला है.

राष्ट्र के गौरव का प्रतीक है नया संसद भवन

लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखनेवाले सभी भारतीयों की आंखों में आज भी वह चित्र जीवंत और सजीव होगा, जब 26 मई, 2014 को पहली बार संसद भवन में प्रवेश करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसकी ड्योढ़ी (प्रवेश द्वार) पर शीश नवा कर लोकतंत्र के इस महान मंदिर के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की थी। वह श्रद्धा स्वाभाविक थी। अभाव और संघर्षों में पला-बढ़ा, समाज के अत्यंत निर्धन-वंचित-साधारण पृष्ठभूमि से आनेवाला व्यक्ति भी यदि देश के सर्वोच्च पद तक का सफर तय कर पाता है, तो निश्चित रूप से यह भारत की महान संसदीय परंपरा और सुदृढ़ लोकतंत्र का प्रत्यक्ष प्रमाण है और संसद भवन उसका साक्षात-मूर्तिमान स्वरूप है। हमारी संसद न जाने कितने गुदड़ी के लालों के असाधारण कृतित्व और व्यक्तित्व की साक्षी रही है। इसीलिए लोकतंत्र में विश्वास रखनेवाले सभी नागरिकों के लिए वह किसी पवित्र तीर्थस्थल से कम नहीं। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि सात दशक से अधिक की यात्रा में छिटपुट बाधाओं और आपातकाल जैसे झंझावातों को सफलतापूर्वक पार कर भारत का लोकतंत्र और भी मजबूत और परिपक्व हुआ है। 1947 से लेकर अब तक ऐसे अनेकानेक क्षेत्र हैं, जिनमें भारत ने तरक्की की नयी-नयी इबारतें लिखी हैं। समय के साथ-साथ देश की तस्वीर और तकदीर, दोनों बदली है। भारतीय लोकतंत्र न केवल विश्व का सबसे प्राचीन और विशाल लोकतंत्र है, अपितु यह सबसे क्रियाशील और जीवंत लोकतंत्र भी है। लिच्छवी गणराज्य के वैशाली जनपद से प्रारंभ हुई हमारी लोकतांत्रिक यात्रा निर्बाध जारी है।

आज दुनिया देखेगी भारत के सामर्थ्य और पीएम मोदी के संकल्प का परिणाम

नये संसद भवन में पूरे भारत की सामग्री का इस्तेमाल हुआ है

- नये संसद भवन में लगी सागौन की लकड़ी नागपुर से मंगायी गयी है।
- राजस्थान के सरमथुरा का सैंडस्टोन का इस्तेमाल किया गया है।
- यूपी के मिर्जापुर की कालीन इसके फ्लोर पर लगायी गयी है।
- अगरतला से मंगवायी गयी बांस की लकड़ी इसके फर्श पर लगायी गयी है।
- राजस्थान के राजनगर और नोएडा से स्टोन जाली वर्क्स लगाये गये हैं।
- अशोक प्रतीक को महाराष्ट्र के औरंगाबाद और जयपुर से मंगवाया गया है।
- संसद में लगा अशोक चक्र इंदौर से लाया गया है।
- इसके अलावा कुछ फर्नीचर मुंबई से मंगाये गये हैं।
- जैसलमेर से लाख लाल मंगवाया गया है।
- राजस्थान के अंबाजी से अंबाजी सफेद संगमरमर खरीदा गया है।
- केशरिया ग्रीन स्टोन उदयपुर से मंगवाया गया है।
- पत्थर की नक्काशी का काम आबू रोड और उदयपुर से लिया गया है।
- कुछ पत्थर राजस्थान के कोटपुतली से भी मंगवाये गये हैं।
- एम-सैंड को हरियाणा के चरखी दादरी, फ्लाई ऐश ब्रिक्स को हरियाणा और यूपी से खरीदा गया है।
- ब्रास वर्क और प्री-कास्ट ट्रेंच अहमदाबाद से लाया गया है, जबकि एलएस/आरएस फॉल्स सीलिंग स्टील संरचना दमन और दीव से ली गयी है।

www.epaper.azadsipahi.in

28 मई, 2023
ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, नवमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
रविवार, वर्ष 08, अंक 217

मध्य प्रदेश में आइएसआइएस की एंट्री, मस्जिदों में मीटिंग और आतंकी हमलों की ट्रेनिंग, एनआइए की रेड में तीन गिरफ्तार

भाजपा ने हेमंत सरकार और प्रशासन के खिलाफ त्राहिमाम यात्रा निकाली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में बिजली और पेयजल की संकट को लेकर शनिवार को रांची महानगर भाजपा ने प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने हाथों में कैंडल, घड़ा और ढिबरी लेकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजधानी रांची में जब बिजली-पानी का यह हाल है, तो सुदूर ग्रामीण इलाके का अंदाजा लगाया जा सकता है। शहर में स्थिति ऐसी है कि अब पानी भी खरीद कर पीना पड़ रहा है। राजधानी में घंटों बिजली कटी रहती है। कई बार तो स्थिति ऐसी बन जाती है कि इनवर्टर भी जवाब दे जाता है। सरकार को इसपर गंभीरता से सोचना चाहिए। अगर सरकार सक्षम नहीं है, तो नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

जिला स्कूल से निकाली गयी त्राहिमाम यात्रा

भारतीय जनता पार्टी की महानगर इकाई की ओर से हेमंत सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ त्राहिमाम यात्रा निकाली गयी। यह त्राहिमाम यात्रा रांची के शहीद चौक स्थित जिला स्कूल मैदान से शुरू हुई। यात्रा कचहरी चौक पहुंच कर प्रदर्शन के रूप में तब्दील हो गयी। त्राहिमाह यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के महानगर के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ रांची विधायक सीपी सिंह, महामंत्री सुबोध सिंह गुड्डू, प्रतुल नाथ शाहदेव सहित कई प्रवक्ता और कार्यकर्ता शामिल हुए। वहीं कचहरी चौक के पास पहुंची त्राहिमाम यात्रा में शामिल कार्यकताओं ने सरकार से व्यवस्था में सुधार न कर पाने की स्थिति में इस्तीफा देने की मांग की।

कैंडल जलाया, घड़ा फोड़ा, किया प्रदर्शन

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने ढिबरी, कैंडल जलाकर बिजली संकट की स्थिति को बताया। वहीं घड़ा फोड़ कर पेयजल संकट को दर्शाया। मौके पर उपस्थित बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि हेमंत सोरेन के राज्य में मूलभूत सुविधा बिजली-पानी भी लोगों को सही से मुहैया नहीं हो रही है। सरकार हर क्षेत्र में विफल है। लोग त्राहिमाम कर रहे हैं।

उद्योग-धंधे हो रहे प्रभावित : मौके पर नेताओं ने कहा कि बिजली संकट की स्थिति न केवल राजधानी में बल्कि पूरे राज्य में चरमरायी हुई है। बिजली संकट यहां तक आ पहुंची है कि अब उद्योग-धंधे प्रभावित हो रहे हैं। अगर ऐसी स्थिति बनी रही तो लोगों को अपने उद्योग बंद करने पड़ेंगे। बाजार में कीमतें उछाल मारेंगी। अगर उद्योग-धंधे बंद हुए तो राज्य में रोजगार पर संकट आ जायेगा। इतना कुछ होने के बाद भी सरकार की ओर से ध्यान नहीं दिया जाना शर्म की बात है। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष के के गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन बलराम सिंह ने किया। इस अवसर पर यदुनाथ पांडेय, सुबोध सिंह गुड्डू, प्रदीप सिन्हा, संजीव विजयवर्गीय, प्रेम वर्मा, अरुण झा, बसंत दास, जितेंद्र सिंह पटेल, निरज सिंह, राकेश सिंह गुड्डू, सोनू सिंह, रौशनी खलखो, रंधीर सिंह, ओमप्रकाश, अशोक यादव, अनिता वर्मा, सुजाता सिंह, वेद सिंह, रामलगण राम सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

SARASWATI SHISHU VIDYA MANDIR
DHURWA, RANCHI-4, Ph. (0651) 2445071, 7903061070
(CBSE Affiliated, Sr. Secondary Co-Ed. School)
E-mail : ssvmdhurwa14@gmail.com, Website : ssvmdhurwaranchi.in

WALK-IN-INTERVIEW

Post	Subjects
PGT	Chemistry, Mathematics, Hindi, Business Studies,Physical Education
TGT	Biology, English, Hindi

Kindly bring original documents and one set of Xerox copies of all documents and two passport size photos on **11.06.2023 (Sunday) at 9.00 AM**

Admission open for Class XI (Science, Commerce & Arts) — Principal

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	35.0 °c	19.6 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.29 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.04 बजे

नीति आयोग की बैठक में हेमंत सोरेन ने पेश किया झारखंड के विकास का ब्लूप्रिंट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नयी दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के विकास का ब्लूप्रिंट पेश किया और केंद्र से सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि राज्य में एमएसएमइ प्रोत्साहन नीति 2023 और एमएसएमइ विशेष रियायत अधिनियम 2023 का प्रारूप तैयार किया गया है, जिसे शीघ्र लागू किया जायेगा। एमएसएमइ सेक्टर में स्थायी पूंजी पर देय पूंजीगत सब्सिडी को 25 फीसदी से बढ़ा कर अधिकतम 40 फीसदी तक किया जा रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकार एमएसएमइ के रैंप कार्यक्रम के तहत स्ट्रैटेजिक निवेश योजना भी तैयार कर रही है। राज्य में वर्तमान लागू खरीद नीति को भी रिवाइज किया जा रहा है, ताकि स्थानीय एमएसएमइ को और अधिक महत्व दिया जा सके। इससे समाज के कमजोर वर्गों यथा महिलाएं, अनुसूचित जाति / जनजाति और दिव्यांग उद्यमियों के स्वामित्व वाले उद्योगों को अधिक लाभ मिल सकेगा।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस में झारखंड उत्कृष्ट रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार की सुगमता मामले में झारखंड का प्रदर्शन हमेशा से उत्कृष्ट रहा है। व्यापार सुधार कार्य योजना के शुरुआती पांच संस्करणों में झारखंड हमेशा शीर्ष 10 राज्यों की सूची में रहा है। विगत दो वर्षों यथा 2021 और 2022 में व्यवसायों के साथ साथ नागरिक सेवाओं से संबंधित कुल 507 नियमों को कम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा डिक्रिमिनलाइजेशन की दिशा में भी सरकार काम कर रही है, जिसका उद्देश्य छोटे उल्लंघनों पर सजा के स्थान पर वित्तीय दंड का प्रावधान करना है, ताकि व्यवसायियों और नागरिकों में भय का वातावरण समाप्त हो सके। इस क्रम में राज्य के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के द्वारा एक धारा को कम कर दिया है और आठ धाराओं को गैर-अपराधीकरण के लिए प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है।

आवागमन के साधन विकसित करने का हो रहा कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा झारखंड में राष्ट्रीय उच्च पथ घनत्व को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाने के लिए कुल आठ प्रमुख सड़क कॉरिडोर (1662.50 किमी) को भी चिन्हित किया है। इन राजकीय पथों को राष्ट्रीय उच्च पथों में विकसित किये जाने से राज्य अंतर्गत उत्तर से दक्षिण एवं पूरब से पश्चिम कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी। साहेबगंज एवं मनिहारी घाट (बिहार) के मध्य गंगा नदी पर निमार्णाधीन उच्च स्तरीय सेतु की तर्ज पर राजमहल एवं मानिकचक (पश्चिम बंगाल) के मध्य गंगा नदी पर उच्च स्तरीय सेतु निर्माण हेतु एनएचएआइ से अनुरोध किया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए हमें केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा है।

महिला सशक्तिकरण के प्रति संवेदनशील सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। राज्य में एसएचजी एवं ग्राम संगठनों में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने में झारखंड हमेशा से अग्रणी रहा है। पंचायतों में भी महिलाओं की भागीदारी के मामले में झारखंड की गिनती अव्वल राज्यों में की जाती है। महिला सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने हेतु सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना चलायी जा रही है।

पोषण एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहा कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ झारखंड सुखी झारखंड के संकल्प के तहत प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप राज्य के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सूचकांकों तथा सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। वर्तमान में शिशु मृत्यु दर 25 एवं मातृ मृत्यु दर 56 है। कालाजार उन्मूलन के क्षेत्र में किये गये निरंतर प्रयासों के कारण राज्य के चार जिलों यथा दुमका, गोड्डा, पाकुड़ एवं साहेबगंज में एंडेमिक प्रखंडों की संख्या 16 से घटकर एक रह गयी है।

युवाओं को बनाया जा रहा हुनरमंद

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य के वंचित वर्गों को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ने हेतु मुख्यमंत्री सारथी योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से आने वाले तीन वर्षों में राज्य के सभी 264 प्रखण्डों में कौशल केंद्र स्थापित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के सर्वांगीण विकास में गरीब एवं वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत प्रखंड स्तरीय ग्रामीण कौशल अधिग्रहण संस्थान स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है।

जब आदिवासी समाज की बेटी को सर्वोच्च पद पर बिठाने की बात आयी, तो विरोध किया, अब प्रेम उमड़ रहा है: बाबूलाल

झामुमो की नसीहत: अब बाबूलाल को आराम करने की जरूरत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नये संसद भवन के उद्घाटन को लेकर झारखंड में भी राजनीति तेज है। नये संसद भवन के उद्घाटन का विरोध कर रहे विपक्ष में कांग्रेस के साथ-साथ झारखंड मुक्ति मोरचा भी शामिल है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार राष्ट्रपति का अपमान कर रही है। झारखंड में भी इसे लेकर राजनीतिक पारा चढ़ रहा है। इसे हवा दी है भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने। बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट करते हुए लिखा विपक्षियों का पाखंड देखिए। एक आदिवासी समाज की बेटी को जब देश के सर्वोच्च पद पर बिठाने की बात आयी, तो इन्होंने सामूहिक रूप से विरोध किया। यहां तक कि अपना उम्मीदवार खड़ा किया (यशवंत सिन्हा जी), ताकि एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति भवन में जाने से रोका जा सके। आज विपक्ष राष्ट्रपति के तथाकथित अपमान

की बात कह कर नये संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहा है। सोचिए, कितने निकृष्ट और पाखंडी हैं ये लोग। इन्हीं लोगों के लिए प्रेमचंद जी कह गये हैं-विचार और व्यवहार में सामंजस्य न होना ही धूर्तता है, मक्कारी है।

बाबूलाल मरांडी के इस ट्वीट पर झारखंड मुक्ति मोरचा के केंद्रीय महासचिव सुप्रीयो भट्टाचार्य ने कहा, बाबूलाल मरांडी जी को याद नहीं है कि झामुमो ने किसका समर्थन किया था। उन्हें आराम की जरूरत है। संसद भवन के उद्घाटन को लेकर हमारा मत एक ही है। हम इसे लेकर आगे भी आवाज उठाते रहेंगे।

बेवजह का विवाद छवि खराब करता है

झारखंड की आजसू पार्टी संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हो रही है। आजसू के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत ने कहा, हमारे नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे। सांसद चदप्रकाश चौधरी जा रहे हैं, संसद भवन पूरे देश को गौरवान्वित करनेवाली सर्वोच्च संस्था है। यह लोकतंत्र का मंदिर है। इसे लेकर बेवजह का विवाद हमारी प्रतिष्ठा को कम कर सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी गरिमा को खतरा हो सकता है। शिलान्यास भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही किया था। उस वक्त विवाद नहीं हुआ ,अब उद्घाटन को लेकर विवाद खड़ा हो रहा है।

यात्रियों से भरा वाहन पलटा चार की मौत, कई लोग घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। सायको से अड़की के रायटोड़ांग होते हुए चाटम हुटुब गांव की ओर जानेवाले जंगली क्षेत्र की घाटी में शुक्रवार की रात यात्रियों से खचाखच भरा सवारी वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में वाहन में सवार चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि कई लोग घायल हो गये। मरने वालों में अड़की थानांतर्गत ग्राम मदहातु टोला मलूटी के ग्राम प्रधान गिदीयोन भेंगरा (38 वर्ष) और उसकी पत्नी सेतेंग भेंगरा (37 वर्ष) की मौत मौके पर ही हो गयी, जबकि गंभीर रूप से घायल चाटम हुटुब गांव के बिरसा टोपनो (35 वर्ष) और मोती चुटिया पूर्ति (18 वर्ष) नामक युवती की मौत देर रात सदर अस्पताल खूंटी में इलाज के दौरान हो गयी दुर्घटना में घायल हुए आठ ग्रामीणों का इलाज सदर अस्पताल खूंटी में किया जा रहा है। घायलों में चाटम हुटूब गांव के शंकर पहान, राजा नायक, महादेव

नायक, सिनी टोपनो, नौरी चुटिया पूर्ति, पांडी नायक, बिजला मुंडा और 10 वर्षीय बच्चा अजय नायक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कई ग्रामीणों को भी मामूली चोट लगी है। अस्पताल में भर्ती घायलों ने बताया कि वे सभी सायको साप्ताहिक हाट से शुक्रवार शाम उक्त वाहन में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे।

घायलों के अनुसार सवारी वाहन का चालक नशे में वाहन चला रहा था। नशे में होने के कारण चालक ने घाटी के तीखे ढलान में वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क में दो बार पलट गयी। दुर्घटना के बाद वहां चीख-पुकार मच गयी। बाद में कुछ ग्रामीणों को जब घटना की जानकारी मिली, तो इसकी सूचना अड़की थाना की पुलिस को दी गयी। सूचना मिलने पर अड़की थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास से आए ग्रामीणों की मदद से घायलों को उठाकर अन्य वाहन से इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा। बताया गया कि दुर्घटना के बाद वाहन चालक फरार हो गया। दुर्घटना में मरे चारों लोगों के शव का शनिवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया गया।

महत्वपूर्ण न्यूज

पर्यावरण दिवस पर डीएसपीएमयू में 1 से 7 जून तक कार्यक्रम आयोजित होगा

रांची (आजाद सिपाही)। पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में 01 जून से 07 जून तक पर्यावरण एवं जलवायु पर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के निर्देश के आधार पर किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत संचालित सभी शिक्षण संस्थानों में मास मोबिलाइजेशन ऑन मिशन लाइफ अंतर्गत सेमिनार के साथ कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना है। कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि विश्वविद्यालय में 1 से 7 जून तक पर्यावरण परिवर्तन पर जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक- जिसका थीम है, धरती कहे पुकार के, यूथ कॉन्क्लेव, संस्थान में स्वच्छता अभियान और विश्वविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने से संबंधित अभियान चलाया जायेगा। इसके अलावा एनएसएस और एनसीसी के कैडेट्स द्वारा साइकिल चालन और विश्वविद्यालय के प्रांगण में पर्यावरण और जलवायु से संबंधित पौधरोपण अभियान चलाया जायेगा। पर्यावरण और जलवायु विषय पर लघु फिल्म, फोटो, स्लोगन व क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आयोजन में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जायेगा। उक्त जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

जलाशय बचाओ मंच चार जून को 'जलाशय बचाओ' पदयात्रा निकालेगा

रांची (आजाद सिपाही)। जलाशय बचाओ मंच चार जून को 'जलाशय बचाओ' पदयात्रा निकालेगा। कांके डैम से सुबह आठ बजे शुरू होकर बड़ा तालाब होकर हरमू नदी पर संपन्न होगी। शनिवार को लाइन टैंक रोड में प्रेसवार्ता में मंच के सदस्य अमृतेश पाठक ने कहा कि इसमें सभी सदस्य नीला झंडा लेकर शामिल होंगे। बताया गया कि इसमें नागरिक मंच सार्वजनिक कल्याण समिति, सदान विकास परिषद समेत अन्य सामाजिक संस्थाओं के लोग भाग लेंगे। रांची में तीन तीन जलाशयों कांके डैम, बड़ा तालाब और हरमू की स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। ऐसा लग रहा है कि जिस तरह शहर के सैकड़ों तालाब धीरे-धीरे विलुप्त हो गए, ये तीनों जलाशय भी खत्म न हो जाएं। उन्होंने कहा कि तीनों जलाशयों में रांची की गंदगी सीधे प्रवेश करती है। स्थिति यह है कि इनका पानी इस्तेमाल लायक नहीं बचा है। प्रेस वार्ता में आरपी शाही, शैलेश्वर दयाल सिंह, डॉ सत्यप्रकाश मिश्रा, कोकिला दास, जया तिवारी, हरेंद्र आदि मौजूद थे।

जगन्नाथपुर रथमेला 20 जून से

रांची। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला 20 जून से शुरू होगा। 10 दिनों तक चलने वाले मेले का समापन 29 जून को घूरती रथ यात्रा के साथ होगा। रथ यात्रा की तैयारी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस यात्रा को लेकर पुलिस तथा प्रशासन भी इसकी तैयारियों में जुट गया है। 19 जून को नेत्रदान के साथ रथ मेला शुरू होगा। 20 जून को सामूहिक पूजा के साथ शाम 4:30 बजे भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा, भाई बलराम रथ पर सवार होकर मौसी बाड़ी जायेंगे।

रथ यात्रा कार्यक्रम : 4-जून संध्या 1:00 बजे से स्नान यात्रा शुरू होगी, 19-जून को शाम 4 बजे से नेत्रदान के साथ रथ यात्रा शुरू, 20-जून, सुबह 5 बजे से सुलभ दर्शन, 20-जून, दोपहर 2 बजे से रथयात्रा के लिए सामूहिक पूजन, शाम 4:30 बजे रथ यात्रा की शुरुआत, शाम 6:30 बजे मौसी बाड़ी आगमन, 29-जून को घूरती रथ यात्रा के साथ कार्यक्रम का समापन

कांग्रेस ने देशभर में पीएम नरेंद्र मोदी के लिए नौ सवाल तैयार किये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्र में नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में बनी एनडीए की सरकार के नौ साल पूरे हो रहे हैं। झारखंड सहित देश भर में भाजपा इन नौ साल की उपलब्धियों को पहुंचाने के लिए पंचायत से लेकर गांव तक जाने का कार्यक्रम तय किया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस देशभर में पीएम नरेंद्र मोदी के लिए नौ सवाल तैयार किए हैं। देश भर से पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर तैयार नौ सवाल के साथ कांग्रेस प्रेस कांफ्रेंस कर रही है। इसी क्रम में झारखंड में भी कांग्रेस ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस किया।

देश की ऐसी स्थिति फिर क्यों?

रांची स्थित कांग्रेस के पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने अपनी बात रखी। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने मीडिया के माध्यम से पूछा कि अगर नौ साल में उपलब्धियां ही केवल हैं तो फिर देश की ऐसी स्थिति क्यों है? प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कांग्रेस ने जो नौ सवाल जनता की ओर से केंद्र से पूछे हैं, वे अर्थव्यवस्था, कृषि और किसान, भ्रष्टाचार, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव, सामाजिक न्याय, संवैधानिक संस्थान, जन कल्याणकारी योजना और कोरोना मिस मैनेजमेंट से जुड़ी हुई हैं।

कांग्रेस के केंद्र सरकार से नौ सवाल : अर्थव्यवस्था ऐसा क्यों है कि देश में महंगाई और बेरोजगारी

आसमान छू रही है ? क्यों अमीर और अमीर हुए हैं और गरीब और गरीब ? सार्वजनिक संपत्तियों को मोदी जी के मित्रों को क्यों बेचा जा रहा है ? आर्थिक विषमताएं क्यों बढ़ रही हैं ?

कृषि और किसान ऐसा क्यों है कि पिछले 9 सालों में भी किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई? काले कृषि कानूनों को रद्द करते समय किसान संगठनों के साथ हुए समझौतों को अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया ? एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं दी गयी?

भ्रष्टाचार/मित्रवाद ऐसा क्यों है कि अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए एलआइसी और एसबीआइ में जमा जनता के खून पसीने की कमाई को दांव पर लगा दिया ? भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात करने वाले प्रधानमंत्री इसपर जवाब क्यों नहीं देते कि अड़ानी की फर्जी कंपनियों में 20 हजार करोड़ किसके हैं ?

चीन और राष्ट्रीय सुरक्षा ऐसा क्यों है कि चीन को लाल आंख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री ने उसे 2020 में क्लीन चिट दे दी, जबकि वह आज भी हमारी जमीन पर कब्जा करके बैठा है ?

सामाजिक सद्भाव ऐसा क्यों है कि चुनावी फायदे के लिए जानबूझकर बंटवारे की राजनीति को हवा दी जा रही है और समाज में डर का माहौल बनाया जा रहा है ?

सामाजिक न्यायः ऐसा क्यों है कि महिलाओं, दलितों, एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर प्रधानमंत्री चुप रहते हैं ? वह जाति जनगणना की मांग को क्यों नजरअंदाज कर रहे हैं ?

लोकतांत्रिक संस्थाएं ऐसा क्यों है कि विपक्षी दलों और नेताओं के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है? क्यों जनता द्वारा चुनी हुई विपक्षी दलों की कई सरकारें गिराई गयी ? पिछले 9 सालों में संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को क्यों कमजोर किया गया ?

जनकल्याण की योजनाएं ऐसा क्यों है कि बजट में कटौती करके मनरेगा जैसी जन कल्याण की योजनाओं को कमजोर किया गया ? गरीब, आदिवासी एवं जरूरतमंदों के सपनों को क्यों कुचला जा रहा है ?

कोरोना मिसमैनेजमेंट ऐसा क्यों है कि कोरोना के कारण 40 लाख लोगों की मौत के बाद उनके परिवारों को मुआवजा देने से मना कर दिया गया? क्यों अचानक लॉकडाउन करके लाखों कामगार साथियों को घर जाने के लिए मजबूर किया गया और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया ?

खुद सवालों के घेरे में कांग्रेस पार्टी जनता को कर रही दिग्भ्रमित: प्रदीप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी को फिर एक बार कटघरे में खड़ा किया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश महामंत्री और मुख्यालय प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद सवालों के घेरे में है। अपने कृत्यों का जवाब जनता को दे नहीं पा रही, इसलिए एक मजबूत, लोकतांत्रिक, यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बढ़ता और बदलता भारत उसे बर्दाश्त नहीं हो रहा।

प्रदीप वर्मा ने कहा कि भगवान राम पर, राम सेतु पर, भारत के वीर सैनिकों पर, सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़ा करनेवाली कांग्रेस को जनता समझ चुकी है। और यही कारण है कि जनता ने उसे देश के शासन से बाहर कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस पार्टी को बताना चाहिए कि राज्य में व्याप्त आकंठ भ्रष्टाचार, खनिजों की लूट, महिलाओं, बहन बेटियों पर होते अत्याचार, हत्या पर वह मौन क्यों है। देश में रोजगार पर सवाल खड़ा करनेवाली पार्टी को बताना चाहिए कि उनके प्रतिवर्ष पांच लाख रोजगार देने, किसानों की ऋण माफी, बेरोजगारी भत्ता, मुफ्त बिजली जैसी घोषणाओं का क्या हुआ।

कांग्रेस बताये कि राज्य में उग्रवादी क्यों सिर उठा रहे, क्यों व्यवसाय करनेवाला राज्य से बाहर जाने का विचार कर रहा। क्यों गरीबों की योजनाएं राज्य में

विफल हो रही। क्यों भाजपा सरकार के द्वारा किसानों के लिए शुरू की गयीं योजनाएं बंद की गयीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने लिए फोर सी ग्रेडिंग चुना है- कट, करप्शन, कमीशन वाली कांग्रेस।

प्रदीप वर्मा ने कहा कि खुद को पीएसयू समर्थक बताती है, लेकिन बार-बार एसबीआइ, एलआइसी जैसी संस्थाओं का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा 58%बढ़ा, एलआइसी का 466%बढ़ा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना प्रबंधन, वैक्सीनेशन की दुनिया प्रशंसा कर रही, लेकिन कांग्रेस प्रारंभ से ही इसका विरोध कर रही। यह देश का ही नहीं, बल्कि लाखों सेवाकर्मियों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था है। जो 3.5 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 50 लाख करोड़ से आगे है, 2014 में केवल 19.05 लाख करोड़ का निर्यात करनेवाला भारत 2022-23 में 36 लाख करोड़ से ज्यादा का सामान निर्यात किया है।

उन्होंने कहा कि एमएसपी पर भी कांग्रेस जनता को दिग्भ्रमित कर रही, जबकि सभी फसलों के एमएसपी में मोदी सरकार ने डेढ़ गुना वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि आज भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर काफी मजबूत हुआ है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में भारत दुनिया का दूसरा बड़ा उत्पादक देश हो गया है। देश में निर्मित रक्षा उपकरण भारत निर्यात कर रहा। देश से 16 हजार करोड़ के रक्षा उपकरण निर्यात हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार और घोटालों की जननी है। 2जी स्कैम, बोफोर्स, कॉमन वेल्थ, हेलीकॉप्टर, सब मरीन घोटालों सहित अनेक घोटालों का रिकॉर्ड दर्ज करा चुकी कांग्रेस द्वारा मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप जनता स्वीकार नहीं करती।

उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस के शासन में देश की हजारों वर्ग किलोमीटर भूमि चीन ने कब्जा कर ली है, वो चीन पर बोलने के हकदार नहीं। मोदी सरकार ने गलवान घाटी और डोकलाम में भारत का परचम लहराया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस क्यों भूल जाती है कि मनमोहन सिंह के शासन काल में उनके रक्षा मंत्री एके एंटनी ने कहा था कि हम जानबूझ कर चीन की सीमा पर सड़क नही बनाते हैं। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

स्टेट टॉपर दिव्या और सचिन को लघु उद्योग भारती ने किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शहर के होटल शिवम इन में शुक्रवार की देर शाम लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष सह यामाहा शोरूम के निदेशक विजय मेवाड़ ने जैक इंटर साइंस के स्टेट टॉपर दिव्या और सीबीएसइ आर्टस बारहवीं के सेंकेंड स्टेट टॉपर सचिन को फूलों का गुचछा, मोमेंटो सहित शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग राशि देकर सम्मानित किया। संमान समारोह को संबोधित करते हुए विजय मेवाड़ ने कहा कि दोनों बच्चों ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पूरे राज्य में रामगढ़ जिले का नाम रौशन किया है। दोनों बच्चों उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने राज्य सरकार से उच्च शिक्षा के लिए सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि लघु उद्योग भारती के माध्यम से वे उनके शिक्षा के लिए हर संभव सहयोग करने का प्रयास करेंगे। वहीं सम्मानित होने के बाद जैक इंटर साइंस के स्टेट टॉपर दिव्या और उनकी मां ने समाजसेवी विजय मेवाड़ के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आज उन्हें जो सम्मान मिल रहा है। इसकी कभी कल्पना भी नहीं की थी । नम आंखों से उन्होंने कहा कि दिव्या के बेहतर परीक्षा परिणाम में उनके शिक्षकों का काफी योगदान रहा है। आर्थिक रूप में कमजोर और साधारण परिवार से होने के वावजूद दिव्या ने कभी हिम्मत नही हारी। उन्होंने सरकार से दिव्या को सहयोाग करने की अपील करते हुए कहा कि दिव्या के डॉक्टर बनने के सपने को साकार करने में उन्हें सहयोग करें। जिससे क्षेत्र के और भी बच्चों को बेहतर करने की प्रेरणा मिले। वहीं सीबीएसइ बारहवीं आर्टस के सेंकेंड टॉपर सचिन और उनके पिता सरोज कांत झा ने भी लघु उद्योग भारती के प्रति आभार जताया।

एरिया कमांडर छोटन तुरी सहित तीन गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

टंडवा। टंडवा डीएसपी शंभू कुमार सिंह के नेतृत्त्व में एसआईटी की टीम ने बड़ी सफलता पायी है। तीन टीपीसी उग्रवादी संघठन एक एरिया कमाण्डर सहित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी टंडवा डीएसपी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर चतरा एसपी राकेश रंजन ने दिया। बताया गया की बीते 6 मई को पिपरवार थाना अंतर्गत पुरनाडीह कॉल परियोजना स्थित काटा नंबर एक समीप मोटरसाइकिल सवार अज्ञात तीन अपराधियों के द्वारा रंगदारी स्वरूप लेवी वसूली करने तथा कॉल व्यवसायियों में भय व्याप्त करने के उद्देश्य को लेकर मैथन पावर लिमिटेड के लिफटर विनोद कुमार गिरी को गोली मार कर जख्मी कर दिया गया था। इस संदर्भ में अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध पिपरवार थाना कांड सं. 26/23 का मामला दर्ज किया गया था। तथा कांड का उद्भेदन करते हुए कांड में संलिप्त टीपीसी उग्रवादी संगठन के एरिया कमांडर अभय जी उर्फ छोटन तुरी सहित कुल 3 अपराध कर्मियों को घटना में प्रयुक्त 3 पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त घटना की विस्तृत जानकारी एसपी राकेश रंजन ने स्वयं देते हुए बताया की टीपीसी उग्रवादी संघठन चतरा जिले में समाप्त हो गया है। छोटन तुरी का अपराधिक इतिहास रहा हैं। इस कांड में पांच से छः अपराधी और है जिसे जल्द गिरफ्तार कर लिये जायेंगे। इसमें सीसीएल कर्मी के कांटा बाबुओ की संलिप्ता सामने आयी है। इसकी जांच हो रही हैं। पकड़ाये तीन टीपीसी उग्रवादी से पहले रांची क्षेत्र में केजीएफ के नाम से वसूली करते थे। आपको किसी प्रकार फोन आये जिसमे संदेह भरा हो पुलिस को सूचित करें। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से इटली ब्रांड 30 एमएम एक पिस्टल, यूएसए ब्रांड 9 एमएम एक पिस्टल, देशी कट्टा एक, 7.60 एमएम 9 जिंदा गोली, 9 एमएम जिंदा गोली 4, मैगजीन 1, मोबाइल 5, दो एयरटेल राऊटर, एक बिना नंबर के पल्सर बाइक, कोल व्यवसायी डीओ होल्डर, लिफ्टर की सूचीबद्ध दो डायरी समान शामिल है।उग्रवादी सदस्यों में टीपीसी एरिया कमांडर 47 वर्षीय छोटन तुरी, उर्फ अभय उर्फ बादल तुरी, पिता टीनू तुरी गांव लालघोड़ा थाना खलारी, टीपीसी सदस्य 44 वर्षीय राकेश सिंह उर्फ मोहनीश कुमार, थाना बनिया पुर, जिला छपरा बिहार, टीपीसी सदस्य मो. 35 वर्षीय मो. ताकिर आलम उर्फ बम्बईया, पिता अब्दु रऊफ, चौपे डीह मुरुप थाना लातेहार का नाम शामिल हैं।छापेमारी दल टीम में डीएसपी टंडवा शम्भू कुमार सिंह,पिपरवार थाना प्रभारी गोविंद कुमार,पु.अ.नि.रूपेश महतो,पु.अ.नि.आनन्द खण्डैत पिपरवार थाना समेत पिपरवार रिर्जव गॉर्ड,सैट के शश्त्र बल थे।

अधीनम प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा सेंगोल

आज नये संसद भवन में स्थापित होगा पवित्र राजदंड

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए अधीनम शनिवार को प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे। प्रधानमंत्री ने उनका आशीर्वाद भी लिया। इससे पहले दिन में धर्मपुरम और थिरुवदुथुराई के अधीनम राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद भवन में ऐतिहासिक और पवित्र 'सेंगोल' की स्थापना करेंगे। उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए 21 अधीनम पहले चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे।

धर्मपुरम अधीनम, पलानी अधीनम, विरुधाचलम अधीनम और थिरुकोयिलूर अधीनम उन अधीनमों में शामिल थे, जो समारोह में भाग लेने के लिए चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। नये संसद भवन में सेंगोल को स्थापित करने से पहले

अधीनम महंतों का आशीर्वाद लेते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज मेरे निवास स्थान पर आप सभी के चरण पड़े हैं, ये मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। मुझे इस बात की भी बहुत खुशी है कि नये संसद भवन के लोकार्पण के समय आप सभी वहां आकर आशीर्वाद देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में तमिलनाडु की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत की आजादी में तमिल लोगों के योगदान को वो महत्व नहीं दिया गया जो दिया जाना चाहिए था। अब भाजपा ने इस विषय को प्रमुखता से उठाना शुरू किया है। मोदी ने कहा कि तमिल परंपरा में शासन चलाने वाले को सेंगोल दिया जाता था, सेंगोल इस बात का प्रतीक था कि उसे धारण करने वाले व्यक्ति पर देश के कल्याण की जिम्मेदारी है और वो कभी कर्तव्य के मार्ग से विचलित नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने नये संसद भवन को लोकतंत्र का मंदिर बताया और कामना की कि यह भारत के विकास पथ को मजबूत करता रहे और लाखों लोगों को सशक्त बनाये। 'माई पार्लियामेंट माई प्राइड' हैशटैग के साथ ट्विटर पर नयी इमारत का वीडियो साझा करने का लोगों से आग्रह करने वाले मोदी ने यह भी कहा कि बहुत भावनात्मक वॉयसओवर के जरिए लोग गर्व की भावना व्यक्त कर रहे हैं कि राष्ट्र को एक नयी संसद मिल रही है, जो लोगों की आकांक्षाओं को और अधिक उत्साह के साथ पूरा करने के लिए काम करती रहेगी।

केंद्रीय गृह विभाग ने मांगी 66 डीएसपी के कैरेक्टर की जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय गृह विभाग ने झारखंड पुलिस मुख्यालय को पत्र लिख कर 66 डीएसपी के कैरेक्टर की जानकारी मांगी है। राज्य पुलिस सेवा में दस साल पूरे कर चुके 66 डीएसपी को एमएसीपी का लाभ दिया जायेगा। गृह विभाग का पत्र मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय ने जिले के एडीजी वायरलेस, बोकारो और हजारीबाग के डीआइजी, सभी जिले के एसएसपी, एसपी और सभी कमांडेंट से इन सभी डीएसपी के कैरेक्टर की जानकारी मांगी है।

यह जानकारी झारखंड पुलिस मुख्यालय के आइजी एचआर अखिलेश झा ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि 66 डीएसपी के कैरेक्टर की जानकारी एडीजी वायरलेस, डीआइजी, सभी जिले के एसएसपी, एसपी और सभी कमांडेंट से मांगी गयी है। जानकारी मिलते ही मामले में नियम के तहत आगे की कार्रवाई की जायेगी।

इन डीएसपी में ओमप्रकाश तिवारी, विकास आनंद लागुरी, मनीष कुमार, दिलीप खलखो, सुमित कुमार, चंदन कुमार वत्स, संतोष कुमार, प्रमोद कुमार केसरी, नाजीर अख्तर, अनुज उरांव, अभिषेक कुमार, अरविंद कुमार, अमर कुमार पांडे, पूनम मिंज, पुरुषोत्तम कुमार सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, राजा कुमार मित्रा, दीपक कुमार, जीत वाहन उरांव, कपिंद्र उरांव, प्रकाश सोए, जयदीप लकड़ा, बैजनाथ प्रसाद, नवनीत एंथोनी हेंब्रम, अजीत कुमार विमल, प्रदीप उरांव, मनोज कुमार झा, आनंद ज्योति मिंज, मंगल सिंह जामुदा, धीरेंद्र नारायण बंका, संजीव कुमार बेसरा, पवन कुमार, संदीप भगत, सकील आबिद शम्स, अजीत कुमार सिन्हा, विकास चंद्र श्रीवास्तव, कौसर अली, ज्ञानरंजन, तौकीर आलम, प्रदीप कुमार कच्छप, अमित कुमार कच्छप, अशोक कुमार सिंह, रणवीर सिंह, संजय कुमार, सुदर्शन कुमार आस्तिक, मजरुल होदा, अविनाश कुमार, वचन देव कुजुर और सतीश चंद्र झा, संदीप कुमार गुप्ता, राजकिशोर, नीरज कुमार, मुजीब उर रहमान, श्रद्धा केरकेट्टा, विजय कुमार महतो, सुनील कुमार रजवार, समीर कुमार सवैया, अजीत केरकेट्टा, अरविंद कुमार वर्मा, वेंकटेश्वर रमन, बहामन टूटी, फैज अकरम, आशीष कुमार महली, मनोज कुमार महतो और भूपेंद्र प्रसाद रावत शामिल हैं।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष एक ओर लाभ की स्थिति, तो दूसरी ओर खर्च भी करना पड़ सकता है। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे।

वृष मन आध्यात्मिक ओर लगेगा। राज्यपक्ष में आपका दबदबा बनेगा। आय में सुधार होगा।

मिथुन व्यापार-व्यवसाय में लाभ। अधिकारी प्रशंसा करेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

कर्क स्वास्थ्य में उचित सुधार होगा। संपत्ति संबंधी विवाद हल होंगे। कहीं से शुभ समाचार मिलेंगे।

सिंह नवीन पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति। वर्चस्व व पराक्रम बढ़ेगा। शत्रु परास्त होंगे। मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या भाग्योन्नति के अवसर। लेखन, अध्ययन कार्य में सफलता मिलेगी। आकस्मिक धनलाभ होगा।

तुला आवश्यक कार्यों में सफलता मिलेगी। जमीन-जायदाद-रोजगार में प्रभाव बना रहेगा।

वृश्चिक रोजी-रोजगार के अवसर मिलेंगे। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

धनु मनोवांछित कार्यों में सफलता। व्यापारिक अनुबंध होंगे, जो आपके लिए लाभप्रद होगा।

मकर कारोबार में धन मिलेगा। बकाये रकम की प्राप्ति। पारिवारिक सुख-शांति होगी।

कुंभ आपके काम की प्रशंसा होगी। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। स्वजन-मित्रों का सहयोग।

मीन जिस कार्य को करने के लिए लंबे समय से सोच रहे थे, वह कार्य पूरा होगा।

झारखंड के उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा 30 मई को होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के उत्कृष्ट विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। झारखंड के इन स्कूलों में एडमिशन के लिए आवेदन आना भी शुरू हो गया है। अब तक पूरे राज्यभर से एडमिशन के 40 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं।

पूरे राज्य में अभी फिलहाल 12,146 सीटों पर एडमिशन होनेवाला है। इन आवेदनों की स्क्रूटनी के बाद 30 मई को इन स्कूलों में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा ली जायेगी। प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र जिलावार तैयार किये जायेंगे। 7 जून को इस परीक्षा की मेरिट लिस्ट जारी की जायेगी। इस मेरिट लिस्ट के आधार पर 12 जून से एडमिशन शुरू हो जायेगा।

इस आदेश के अनुसार अब से झारखंड के इन उत्कृष्ट विद्यालयों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के नाम से जाना जायेगा। स्कूली शिक्षा सचिव के रविकुमार ने बताया कि सभी जिलों में ये उत्कृष्ट विद्यालय अलग-अलग नामों से जाने जायेंगे। पर सभी जिलों में नाम अलग-अलग रहने से सामंजस्य नहीं बन पा रहा था। इसलिए शिक्षा विभाग की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इन स्कूलों को अब से सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के नाम से जाना जायेगा। लड़कियों के स्कूल को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स के नाम से जाना जायेगा। इसी के साथ-साथ जिला स्कूलों के नाम के आगे डिस्ट्रिक्ट लिखा हुआ होगा।

देवघर में चार धाम की यात्रा से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, 7 घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भिरखीबाद-देवघर मुख्य पथ पर सरपत्ता जंगल के पास चार धाम यात्रा कर वापस लौट रही छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं से भरा बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गयी। दुर्घटना में सात श्रद्धालु घायल हो गये हैं। बता दें कि चार धाम की तीर्थयात्रा कर श्रद्धालु बस से बाबाधाम मंदिर देवघर पूजा करने गये थे। इसके बाद तीर्थ यात्रियों को लेकर बस वापस छत्तीसगढ़ जा रही थी। इसी क्रम में बुढ़ैई थाना क्षेत्र के सरपत्ता के पास बस के चालक को झपकी आ गयी और बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गयी। इसमें सात श्रद्धालु घायल हो गये। घटना की सूचना मिलते ही बुढ़ैई थाना प्रभारी हीरालाल तुबिद दल बल के साथ स्थल पहुंचे और बस से सभी यात्रियों को सुरक्षित निकलवाया।

दुर्घटना में घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल देवघर भेजा। वही अन्य को पुलिस की निगरानी में रखा गया है। इधर, श्रद्धालुओं ने बताया कि वे लोग चार धाम तीर्थ पर निकले थे। इस क्रम में आगरा, वृंदावन, मथुरा, ऋषिकेश, बनारस आदि जगहों में पूजा करने के बाद देवघर पहुंचे। यहां से पूजा कर वापस छत्तीसगढ़ जा रहे थे।

एमएसएमइ के जरिये झारखंड में रोजगार की संभावना पर परिचर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी आर्थिक प्रकोष्ठ, झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में, ईस्ट जेल रोड स्थित आर्थिक प्रकोष्ठ कार्यालय में एमएसएमई के जरिये झारखंड में रोजगार की संभावना विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा का मूल उद्देश्य झारखंड को आर्थिक संपन्न प्रदेश बनाने के लिए एमएसएमई और उनके अंतर्गत आनेवाली विभिन्न योजनाओं (स्कीम) की जानकारी प्राप्त करना था। झारखंड एक खनिज संपन्न राज्य है, इसके बावजूद जिस गति से इसका विकास होना था, वो नहीं हो सका। परिचर्चा पर इसके कारणों पर विचार रखे गये। एमएसएमइ के बारे में सीएस प्रदीप कुमार जालूका ने बताया कि एमएसएमई के अंतर्गत व्यावसायिक इकाइयों को तीन वर्गों मे बाटा गया है, जिसका आधार प्लांट और

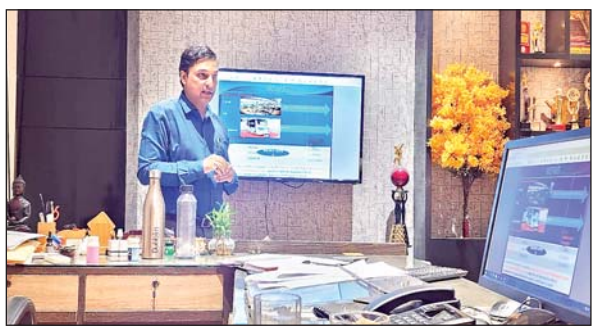

मसीनरी में निवेश और इकाइयों का सालाना टर्न ओवर है। ऐसी इकाइयां, जिनका निवेश प्लांट और मसीनरी में एक करोड़ तक हो और टर्न ओवर पांच करोड़ तक हो, उसे माइक्रो इकाई की श्रेणी मे रखा गया है, जिन इकाइयों का निवेश प्लांट और मसीनरी में 10 करोड़ तक हो एवं टर्न ओवर 50 करोड़ तक हो, उन्हें स्मॉल इकाई की श्रेणी में रखा गया है। जिनका निवेश प्लांट और मसीनरी में 50 करोड़ तक हो और टर्न ओवर 250 करोड़ तक हो, उसे मीडियम इकाई की श्रेणी मे रखा गया है।

इस परिचर्चा में शहर के प्रोफेशनल्स जिनमें सीए नवीन डोकानिया, सीए अरुण कुमार सिन्हा, सीए अभिनय, सीए आनंद प्रसाद, सीए संदीप सिंह मल्होत्रा और अन्य मौजूद थे। परिचर्चा की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के संयोजक सीए जेपी शर्मा ने की। परिचर्चा को सफल बनाने में सीए धर्मेंद्र कुमार सिन्हा, सीए उदय जयसवाल और सीए सुरेंद्र विश्वकर्मा ने अपना योगदान दिया।

कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गंगाधर पांडा प्रति कुलपति प्रो कामिनी कुमार का कार्यकाल पूरा

प्रभारी कुलपति के रूप में कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त मनोज कुमार ने योगदान दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के कुलपति प्रो गंगाधर पांडा और प्रति कुलपति प्रो कामिनी कुमार का कार्यकाल शनिवार को पूरा हो गया। वहीं, प्रभारी कुलपति के रूप में कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त मनोज कुमार ने योगदान दिया। मौके पर विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में विदाई समारोह का आयोजन प्रभारी कुलपति की अध्यक्षता में किया गया। इसमें प्रो गंगाधर पांडा और प्रो कामिनी कुमार को विदाई दी गयी। प्रो कामिनी कुमार का प्रतिकुलपति के रूप में यह दूसरा कार्यकाल था। रांची विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति के रूप में प्रो कामिनी का कार्यकाल 2017 से 2020 तक था, जिसके बाद उन्हें मई 2020 तक इस पद अवधि विस्तार दिया गया था। इसके बाद 28 मई 2020 से 27 मई 2023 तक प्रतिकुलपति के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल रहा। राजभवन के निर्देश पर डॉ कामिनी का तबादला रांची विश्वविद्यालय से कोल्हान विश्वविद्यालय में कर दिया गया था।

केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का की अध्यक्षता में हुई झापा की बैठक

चुनाव की तैयारी के मद्देनजर सभी 24 जिलों में संगठन विस्तार पर दिया जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री सह झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का के जेल से बाहर निकलने के बाद झारखंड की सियासत में हलचल बढ़ गयी है। एनोस एक्का की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय हरमू में पार्टी की विशेष बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय कमेटी सदस्य, सभी जिला अध्यक्षों एवं सचिव को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एनोस एक्का ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सभी पुराने तेवर में आ जाएं। उन्होंने कहा कि सभी कमेटी सदस्यों को जनसमस्याओं को लेकर लोगों तक पहुंच बनानी है। उन्होंने कहा कि झारखंड पार्टी में लोग सिर्फ चुनाव चिह्न के लिए चुनाव लड़ने आते हैं। जीतते हैं फिर पार्टी छोड़ कर भाग जाते हैं। 2024 के चुनाव में पार्टी तीसरे मोर्चा के रूप में उभरेगी और सोच विचार कर ही किसी को टिकट देगी। पार्टी हित में कई जरूरी बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। पार्टी के प्रधान महासचिव अशोक भगत ने कहा कि पार्टी के महाधिवेशन के लिए सभी कमेटी सदस्यों को तैयारी शुरू करनी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का महाधिवेशन दो दिवसीय 1 और 2 जुलाई को किया जाएगा। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार ने कहा कि झापा में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर झारखंड के 24 जिलों में संगठन विस्तार के साथ-साथ संसाधन सुविधा पर फोकस किया जाना है। झारखंड पार्टी सिमडेगा, कोलेबिरा, खूंटी,तोरपा, लोहरदगा, गुमला, रांची, रामगढ़, कोल्हान क्षेत्र, संताल परगना जिलों में संगठन विस्तार करेगी। बैठक में किरण आंइद, अर्पणा हंस, उमेश पांडेय, ऐनुल हक अंसारी, संदेश एक्का, अंशु लकड़ा, आलोक एक्का, सामी दास, सोमदेव करमाली, आकाश करमाली, पवन तिग्गा समेत सभी जिलों से कमेटी सदस्य मौजूद थे।

पत्नी ने नगर ऊंटारी बीडीओ पति को पीटा जान से मारने और केस हटाने की दी धमकी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले के नगर ऊंटारी प्रखंड कार्यालय में शनिवार की दोपहर अजीबोगरीब स्थित उत्पन्न हो गयी। हुआ यूं कि बीडीओ श्रवण राम की पत्नी ने सरेआम उनकी पिटाई कर दी, जिससे वहां मौजूद लोग हक्का बक्का रह गये। बीडीओ ने थाना पहुंच कर पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बीडीओ की शिकायत पर थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर मामले की जांच की तथा महिला की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

बीडीओ के मुताबिक करीब डेढ़ बजे प्रशिक्षण करके प्रशिक्षण भवन के बाहर निकल रहे थे। इसी बीच मेरी पत्नी प्रीति देवी, जो अपने पुरुष मित्र विकास दुबे के साथ रहती है ने मेरे ऊपर झपट गयी और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगी। प्रखंड सभागर से गेट तक आने में वह बहुत बार थप्पड़ मारी व हाथ में जो सरकारी दस्तावेज था वह छीनकर फेंक दी.

उन्होंने कहा कि पत्नी के इस व्यवहार से हमें बहुत लज्जित व शमिंदा होना पड़ा। उस समय प्रखंड में दो सौ से अधिक लोग प्रखंड कार्यालय में अपने कार्य को लेकर उपस्थित थे।

बीडीओ ने कहा कि इसके पूर्व भी कई बार उसकी पत्नी के साथ विवाद हुआ है, जिसका केस चल रहा है, जो न्यायालय में विचाराधीन है. उन्होंने कहा कि घटना के दौरान वह जान से मारने व केस हटाने की धमकी दे रही थी। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर दोषी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

उधर, थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह ने बताया कि बीडीओ के आवेदन के आधार पर प्रीति देवी के खिलाफ मामला दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

आदिवासी सेंगल अभियान का भारत बंद 15 जून को

रांची (आजाद सिपाही)। आदिवासी सेंगल अभियान के अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने सरना धर्म कोड को मान्यता देने सहित कई मांगों को लेकर 15 जून को भारत बंद का की घोषणा की है। सरना समिति के सदस्यों और आदिवासी समाज के साथ बैठक करने के बाद आदिवासी सेंगल अभियान के अध्यक्ष सह पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने कहा कि भारत बंद के बाद 30 जून विश्व सरना धर्म जनसभा का आयोजन कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में किया जायेगा। इसमें पांच लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना में जैन धर्म को माननेवालों की संख्या 44 लाख है, जबकि आदिवासियों की संख्या 50 लाख। इसके बावजूद सरना धर्म कोड को अब तक मान्यता नहीं मिली है।

महत्वपूर्ण न्यूज

झारखंड कैबिनेट की बैठक 31 मई को

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 31 मई को होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय समन्वय विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शाम चार बजे प्रोजेक्ट भवन में होनेवाली बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल सचिवालय समन्वय विभाग ने सभी विभागों को पत्र लिखकर प्रस्ताव की मांग की है, जिसे कैबिनेट की बैठक में रखा जायेगा।

रांची में यूपीएससी पीटी परीक्षा में 23 हजार अभ्यर्थी होंगे शामिल

रांची (आजाद सिपाही)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की पीटी परीक्षा रविवार को रांची में भी आयोजित होगी। इसके लिए रांची में 56 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। परीक्षा के लिए लगभग 1000 शिक्षक और 150 पदाधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। डीएवी नंदराज में दृष्टि बाधित परीक्षा केंद्र बनाया गया है। रांची के विभिन्न सेंटरों पर लगभग 23 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। दृष्टि बाधित अभ्यर्थियों की संख्या 81 है। यूपीएससी की ओर से जारी गाइडलाइन का पालन किया जायेगा। कदाचारमुक्त परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी केंद्रों के सेंटर सुपरिटेंडेंट को आवश्यक निर्देश भी जारी किये हैं। यूपीएससी द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन किया जायेगा। इसके मद्देनजर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में रांची जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें एडीएम, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, बीडीओ, सीओ समेत जिनकी ड्यूटी परीक्षा में दी गयी है, वे पदाधिकारी शामिल थे।

बहावलपुरी पंजाबी समाज के उमंग तलवार डॉक्टर दिव्या चौधरी किये गये सम्मानित

रांची (आजाद सिपाही)। बहावलपुरी पंजाबी समाज द्वारा समाज के उमंग तलवार एवं डॉक्टर दिव्या चौधरी को उनकी उपलब्धि पर सम्मानित किया गया.पेशे से एलआईसी कॉरपोरेट क्लब सदस्य उमंग तलवार का इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट,अहमदाबाद द्वारा बिजनेस इंटेलिजेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए चयन होने पर तथा डॉक्टर दिव्या भारती को डीएम(डॉक्टरेट इन मेडिसिन) इन क्रिटिकल केयर मेडिसिन बनने पर संस्था द्वारा सम्मानित किया गया.पूरे भारतवर्ष से इस कार्यक्रम के लिए सिर्फ तीस लोगों का चयन हुआ था.संस्था के अध्यक्ष ललित किंगर एवं सचिव अश्विनी सुखीजा ने आज सुबह दस बजे दोनों के आवास जाकर उनके परिवार की उपस्थिति में मोमेंटो प्रदान कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया.उमंग तलवार के माता पिता मुकेश तलवार एवं पुष्पा तलवार तथा डॉ दिव्या चौधरी के माता पिता मनोज चौधरी एवं पुष्पा चौधरी ने उनके बच्चों को सम्मानित करने पर संस्था के प्रति आभार जताया एवं बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए इसे एक अच्छी पहल बताया। संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि उमंग तलवार जो कि पिछले बारह वर्षों से एलआईसी के कॉरपोरेट क्लब सदस्य हैं,एलआईसी के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर व्याख्यान दे चुके हैं और फोर्ब्स मेगजीन में भी इन्हे जगह मिली है.दूसरी ओर डॉ दिव्या चौधरी ने जेएसएस कॉलेज,मैसूर से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की तथा एमडी इन एनेस्थियोलॉजी की डिग्री महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस,वर्धा से प्राप्त की तथा वर्तमान में दीनानाथ मंगेशकर कॉलेज,पुणे में डीएम इन क्रिटिकल केयर मेडिसिन के पद पर हैं.

पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का चयन ट्रायल संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023 के लिए झारखंड टीम का चयन ट्रायल शनिवार को रांची में संपन्न हो गया। ओड़िशा के राउरकेला में 12 से 22 जून तक हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। इसे लेकर हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल रांची के बरियातू स्थित एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम गर्ल्स हाई स्कूल में किया गया। चयन ट्रायल में झारखंड के कई जिलों के कई खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान कई टीम बनाकर आपस में मैच कराया गया और उनमें से बेहतर 30 खिलाड़ियों का चयन किया गया। इन 30 खिलाड़ियों के विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जायेंगे और उनमें से बेहतर 18 खिलाड़ियों को चयनित किया जायेगा। वे झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में करेंगे। चयन ट्रायल में मुख्य रूप से हॉकी झारखंड के कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा, संयुक्त सचिव माइकल लाल, बिगंन सोय, सीइओ रजनीश कुमार, कोच मनीष कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

झामुमो प्रखंड कमेटी की ओर से कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन

बेहतर काम कर रही है झारखंड सरकार : महुआ मांझी

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली सोनाली मैरिज हॉल में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड कमेटी की ओर से शनिवार को एक दिवसीय कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सदस्य डॉ महुआ माजी और केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य उपस्थित थे। मिलन समारोह में गोकुल महतो के नेतृत्व में खतियाणी झारखंड पार्टी के 700 से अधिक कार्यकर्ता के अलावा के मंजू महतो के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के सदस्यों ने झामुमो का दामन थामा। झामुमो में शामिल कार्यकर्ताओं को अतिथियों ने फूल माला एवं पार्टी पट्टा देकर सम्मानित किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद महुआ मांझी ने कहा कि झारखंड सरकार बने चार वर्ष पूरा हो रहा है। इन चार वर्षों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाने का काम किया गया। जिससे प्रभावित होकर लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड व लाकडाउन के दौरान हेमंत सरकार ने काफी सक्रियता से काम कर लोगों के भरोसे को जीता। वहीं, केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हेमंत सरकार जनता के उम्मीदों पर खरी उतर रही है। आने वाले दिनों में विकास की गति और तेज होगी। कोविड संक्रमण काल के बावजूद सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत हरेक क्षेत्र में बेहतर काम कर जनता से किए गए वायदों को पूरा कर रही है। सभा को जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम जिला सचिव डॉ हेमलाल मेहता, अश्वनी शर्मा, अजीत कुमार महतो आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पार्टी के सक्रिय सदस्य की निधन पर मौन रखा गया। सभा का संचालन राधिका महतो, धन्यवाद ज्ञापन सिल्ली विधानसभा प्रभारी एवं पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया ने किया। इस मौके पर मुन्ना बड़ाक, भागीरथ महतो, प्रवीण महतो, अमित महतो, अशोक महतो, फ्लारी महतो, मधुसूदन महतो, लकी चरण मुंडा, द्वारिका महतो, फखरुद्दीन रॉय, पांडे महतो, अशोक कुमार महतो, अनिल बेदिया, बानेश्वर महतो, नागेश्वर महतो, देवेंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

प्रबंधन ने रैयत विस्थापितों से किया केवल छलावा : बिगन सिंह भोगता

खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा तथा एनके एरिया प्रबंधन के बीच शनिवार को हुई वार्ता विफल हो गयी। एनके प्रबंधन ने मोर्चा की ओर से 29 मई को घोषित बंदी को देखते हुए वार्ता के लिए महाप्रबंधक कार्यालय कॉन्फ्रेंस हॉल में बुलाया था। वार्ता में महाप्रबंधक संजय कुमार ने मोर्चा के लोगों के साथ उनके द्वारा दिये गए मांग पत्र पर चर्चा कर प्रबंधन की ओर से गई कार्रवाई पर चर्चा की, जिसमें महाप्रबंधक ने सभी को आश्वासन दिया कि मांग पत्र पर काफी कार्य हुआ है। कुछ प्रक्रिया में हैस लेकिन मोर्चा के प्रतिनिधियों ने प्रबंधन से कहा कि कई बार प्रबंधन के साथ हुई बैठक में केवल आश्वासन मिलता है कि काम होगा, लेकिन प्रबंधन का कोई भी काम धरातल पर नहीं दिखता है। प्रबंधन रैयत विस्थापितों से केवल छलावा कर रहा है। यहां के अधिकारियों का रैयत विस्थापितों के प्रति उनकी सही सोच नहीं है। इसलिए रैयत विस्थापितों का कोई काम नहीं हो रहा है। मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कहा कि आज तक एनके एरिया के रैयत विस्थापितों के नौकरी, मुआवजा, पुनर्वास, रोजगार सहित विस्थापित गांव में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के नाम पर प्रबंधन फेल हुआ है। इसलिए मोर्चा ने बंदी करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की अब कोई भी झूठे वादे पर रैयत विस्थापित को भरोसा नहीं है। इसलिए मोर्चा पूरी ताकत के साथ बंदी को सफल बनाने में जुट गया है। बैठक एसओपी ज्योति कुमार, एसओसी सुजित रंजन, पीओ जेके सिंह, जे अब्राहम तथा मोर्चा की ओर से सचिव जगरनाथ महतो, जालिम सिंह, नरेश गंझू, रामलखन गंझू, विनय खलखो, प्रकाश महतो, प्रभाकर गंझू, राजेन्द्र उरांव, सुनील यादव, शिवनारायण लोहरा, दिनेश प्रसाद, धनराज भोगता, कुलदीप प्रसाद, शिवनाथ भोगता, कन्हाई पासी, रामधारी गंझू, राधेश्याम प्रसाद आदि थे।

बुंडू में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का हुआ अपमान

बुंडू (आजाद सिपाही)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुंयतिथि पर शनिवार को बुंडू अनुमंडल पुलिस प्रशासन ने उन्हें कथित रूप से अपमानित किया है। पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि तक अर्पित नहीं की गयी। बुंडू अनुमंडल कार्यालय के मुख्य गेट के पास प्रथम प्रधानमंत्री की प्रतिमा लगी हुई है पर उनके पुण्यतिथि पर कोई भी अधिकारी या पुलिस पदाधिकारी ने न ही प्रतिमा की साफ-सफाई कराई न ही पुष्पांजलि ही अर्पित किया। यह सरासर शहीदों का अपमान है। बुंडू अनुमंडल कार्यालय में बार एसोसिएशन कार्यालय भी चलता है, लेकिन बार एसोसिएशन का कोई भी पदाधिकारी उनकी पुण्यतिथि पर नमन करने नहीं पहुंचा। जब से नया अनुमंडल कार्यालय बना है तब से पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा लगाई गई है लेकिन उनके सम्मान में कोई भी पदाधिकारी पुष्प माला या साफ सफाई नहीं करते हैं।

पिकअप वैन की चपेट में आने से युवक की मौत, ग्रामीणों ने चालक को बंधक बनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। रनिया थाना क्षेत्र के निचितपुर गांव के पास शनिवार की रात आठ बजे एक अज्ञात पिकअप वैन की चपेट में आने से उसी गांव के कृष्णा प्रधान नामक 19 वर्षीय किशोर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने पिकअप वैन के चालक को बंधक बना लिया। घटना की जानकारी मिलने पर तोरपा और रनिया थाने की पुलस निचितपुर गांव पहुंचे और पिक अप वैन के चालक को ग्रामीणों के चंगुल सा छुड़ाया। जानकारी के अनुसार कृष्णा प्रधान एक डोभा से पैर-हाथ धोकर साइकिल से अपने घर जा रहा था। उसी समय जरका टोली पुल के पस तेज रफ्तार में पिकअप वैन ने कृष्णा प्रधान को चपेट में लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। रविवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस मामले की पड़ाल कर रही हैं।

ग्रामीणों की ओर से बंधक बनाया गया वाहन चालक।

व्यवहार न्यायालय में मन का मिलन पखवाड़ा 14 जून तक

खूंटी (आजाद सिपाही)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में शनिवार को विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी में लोक अदालत सह मध्यस्थता पर आधारित मन का मिलन पखवाड़ा पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने बताया कि झालसा रांची के निर्देश पर 29 मई से 14 जून तक तक आयेजित होनेवाले मन का मिलन पखवाड़ा के तहत मध्यस्थता के माध्यम से सभी प्रकार के मामलों का निष्पादन किया जाएगा। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन, जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अधिवक्ता, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी और अन्य लोगों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि पखवाड़े के दौरान लोग अपने लंबित पुराने और नए ममाले तथा वाद पूर्व मामलों का निष्पादन दोनों पक्षों के आपसी सहयोग के आधार पर मध्यस्थता के माध्यम से करा सकें। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता अपनाएं, धन और समय बचाएं, वाद विवाद से मुक्ति पाएं। डालसा सचिव ने कहा कि जिले के लोगों के लिए यह एक सुनहरा अवसर को होगा, जिसमें आकर आमजन अपने विवाद यथा जमीन जायदाद, पारिवारिक, चेक वाउंस, वाणिज्य, आपराधिक सुलहनीय मामले, वाहन दुर्घना मुआवजा, विद्युत, एक्साइज आदि मामलों का निःशुल्क एवं त्वरित निष्पादन कराया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि व्यवहार न्यायलय परिसर में आयोजित होनेवाले मन का मिलन पखवाड़ा का अधिक से अधिक लोग लाभ उठाएं। डालसा सचिव ने कहा कि आमजन इस संबंध में किसी भी तरह की जानकारी प्रातः नौ से 11 बजे तक मोबाइल नंबर 8789697778 पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित मामलों तथा प्री-लिटिगेशन से संबंधित मामलों के निष्तारण के लिए तीन बैंचों का गठन किया गया था। लोक अदालत में दिवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले, एनआई एक्ट के मामले एवं बिजली संबंधि मामले प्रस्तुत किये गये। डालसा सचिव ने बताया कि लोक अदालत में न्यायालय में लंबित 16 मामलों का निष्पादन किया गया और 15 लाख 84 हजार 280 रुपये का सेटलमेंट किया गया। मौके पर जिला जज द्वितीय सत्यकाम प्रियदर्शी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सत्यपाल, एसडीजेएम दिनेश बाउरी, स्थायी लोक अदालत के सदस्य, डालसा के अवनीश भारद्वाज, डीएलएसए के पीएलवी, सभी न्यायिक पदाधिकारी, एलएडीसी सहित अन्य उपस्थित थे।

टीबी मुक्त पंचायत उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। मुरहू प्रखंड में टीबी मुक्त पंचायत उन्मुखीकरण कार्यक्रम शनिवार को जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रखंड कार्यालय सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी मुक्त ग्राम के लक्ष्य को पूरा करना है। स्वास्थ्य कर्मी अपने पोषक क्षेत्रों में टीबी मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी देते हुए समुचित इलाज के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों को टीबी मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। चिकित्सकों ने टीबी के लक्षणों की पहचान, उपचार, सपोर्ट केयर, पोषण, सेवाएं और संक्रमण नियंत्रण को लेकर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

भाजपा की बैठक में 11 जून को होने वाली रैली को सफल बनाने का संकल्प

कार्यकर्ताओं की मेहनत और सपर्पण ही रैली को बनायेगी ऐतिहासिक: सत्यनारायण सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। भाजपा के जिला कार्यालय खूंटी जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर गुप्ता की अध्यक्षता में शनिवार को हुई बैठक में 11 जून को प्रस्तावित विशाल रैली को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह ने कहा कि 11 जून को होनेवाली रैली को ऐतिहासिक बनाना है। इसके लिए सभी कार्यकर्ता को मन से लगना होगा। आप सभी की मेहनत और समर्पण ही रैली को ऐतिहासिक बनायगा। उन्होंने रैली के पूर्व ही नगर सज्जा, झण्डा, पताका, फ्लैक्स तोरण आदि लगाकर रैली के लिए वातावरण तैयार करने का निर्देश दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि 20 से 30 जून तक संपर्क अभियान चलाया जाना है। इसको लेकर क्षेत्र में वातावरण बनाना है। 11 जून को लोकसभा स्तर का खूंटी में विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। बैठक में रैली को लेकर रूपरेखा तैयार की गई और सभी मण्डल अध्यक्षों को रैली के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया। सभी जिला पदाधिकारीयों को कार्यक्रम को लेकर जिम्मेवारी सौंपी गई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री बिनोद नाग ने किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष संजय साहू, कैलाश राम, कृपा सिंधु बेहरा, मंत्री मंजू देवी, संजय नाग, मीडिया प्रभारी अनुप साहू, सोशल मीडिया के रूपेश जयसवाल, महावीर राम,, मण्डल अध्यक्ष मदनमोहन गोप, निखिल कंडुलना, बालकिशुन महतो, रामध्यान सिंह, राम बिहारी साहू, पुरेंद्र मांझी, एसएसी मोर्चा अध्यक्ष, योगेन्द्र नायक, प्रदेश युवा मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य प्रियांक भगत, मोर्चा के महामंत्री सुदर्शन भोगता, श्याम सोनी, बालगोविंद महतो, कृष्णानंद तिवारी, भागीरथ राय आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

हीरालाल उरांव अध्यक्ष व रामप्रवेश बने सचिव

खलारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल सीकेएस (बीएमएस) की पुरनाडीह शाखा कमेटी का शनिवार को पुर्नगठन गठन किया गया। पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित बीएमएस कार्यसमिति के सदस्य मनीष कुमार, एनके एरिया सचिव गोविंद चंद्र महतो, सुजीत कुमार सिंह, प्रमोद पाठक, दीपक मंडल की उपस्थिति में पुरनाडीह शाखा कमेटी का पुर्नगठन हुआ। जिसमें अध्यक्ष हीरालाल उरांव, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वर लोहार, उपाध्यक्ष सुरेश तुरी, शमरेश पांडेय, अखिलेश्वर प्रसाद, सुनील कुमार मेहता, मनोज सिंह, सचिव रामप्रवेश नायक, सह सचिव जगदीश गंझू, मुकेश रवि, विनोद चौहान, रमेश कुमार रवि, सुबोध शर्मा, संगठन मंत्री अनिल कुमार, कार्यसमिति सदस्य रामरूप चौहान, वीरेंद्र उरांव, जितेंद्र नोनियां, सीता कुमारी, शकुंतला कुमारी, किरण कुमारी, सुरेंद्र गंझू, परमेश्वर गंझू, श्याम नारायण साव, सुरेश पासवान, सुखदेव गंझू, सुशांत, बिगला उरांव, फागुन गंझू, संजय बेदिया, विनोद उरांव को शामिल किया गया हैं।

समाजसेवी अशोक साहू का निधन

सिल्ली (आजाद सिपाही)। अशोक अंजलि ट्रस्ट के संस्थापक एवं समाज सेवी अशोक साहू (80) का शुक्रवार की शाम निधन हो गया। उन्होंने हैदराबाद स्थित अपने फ्लैट में अंतिम सांस ली। सिल्ली निवासी अशोक कुमार साहू वर्तमान में रायगढ़ा एवं हैदराबाद में रहकर अपने व्यवसाय की देख रेख कर रहे थे।

अड़की में झामुमो के प्रखंड कमेटी की बैठक में सदस्यता अभियान चलाने का हुआ निर्णय

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की में शनिवार को झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक हुई, जिसमें सदस्यता अभियान की शुरूआत सोसोकुटी पंचायत के जारंगा गांव से दो जून से करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पुर्ण चंद्र प्रमाणिक, मनोज मंडल, भोला नाथ लाल, बसंत परमाणिक, सत्यनारायण साहू और चंद्र शाय शोले थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी पं जवाहर लाल नेहरू को श्रद्धांजलि

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस केमटी के तत्वावधान में शनिवार को जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 59वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू कें चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को नमन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आजादी के प्रारंभिक दिनों में देश के विकास में पहले प्रधानमंत्री ने जो योगदान दिया, उस के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि नेहरू मॉडल को अपना कर ही देश और राज्य विकास हो सकता है। मौके पर जिला कांग्रेस के कई नेताओं ने पंडित नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सचिव पीटर मुंडू, देवजीत देवघरिया, कुणाल कच्छप आदि मौजूद थे।

20 बाइक के साथ तीन चोर गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। तमाड़ पुलिस ने अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही उनके पास से चोरी के 20 बाइक भी जब्त किए गए हैं। पुलिस की मानें तो पांच परगना में बाइक चोरी के कई मामलों का एक साथ उद्भेदन किया गया है। पकड़े गए चोरों की पहचान राकेश अहीर, निलामबर महतो महतो और अनुज महतो के रूप में की गयी है। राकेश बुंडू के ताऊ का, जबकि निलामबर बाधाडीह का रहने वाला है। वहीं, अनुज अनिडीह का निवासी है। ये लोग बाइक चोरी के धंधे में लिप्त हैं। बाइक चोरी कर कम कीमतों में बेच दिया करते हैं। उनकी निशानदेही पर अब तक चोरी के 20 बाइक बरामद कर लिए गये हैं। इसकी जानकारी ग्रामीण एसडीपीओ नौसाद आलम ने दी। वे शनिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बताया कि बाहन जांच के दौरान भुईयाडीह बाजार के पास एक बाइक को रूकने का निर्देश दिया तो वो भागने लगा। पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताथ करने में सच्चाई सामने आई। छापामारी अभियान में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह व बल के जवान शामिल थे।

प्रशिक्षण सह कार्यशाला का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। पंचायज राज विभाग झारखंड के निर्देश के आलोक में जिले के खूंटी और रनिया प्रखंड में ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत वीपीआरपी, बाल सभा, महिला सभा एवं केंद्र द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं को एकीकृत करने संबंधित आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का समापन शनिवार को हुआ। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत केन्द्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के एकीकृत करने के प्रारूप के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अनाबद्ध मद की राशि की थीम से 50 प्रतिशत योजनाओं का चयन करने के संबंध में बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि नौ थीम में से न्यूनतम एक तथा अधिकतम दो थीम का चयन करना अनिवार्य है। थीम के चयन के पश्चात ही प्लान ई ग्राम स्वराज पर प्रविष्टि की जाएगी। मौके पर संबंधित पखंड के प्रशिक्षक सह पंचायत राज स्वशासन परिषद के प्रखंड समन्वयक द्वारा जीपीडीपी के बारे मं विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जेएसएलपीएस के बीपीएम, मनरेगा के बीपीओ, बीएओ, पीएचईडी के जेई, स्वच्छ भारत मिशन के प्रखंड समन्वयक, सोशल मोबलाइजर सहित अन्य संस्था के प्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। मुरहू, कर्रा, अड़की प्रखंड में भी शनिवार को जीपीडीपी के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण में प्रखंड के सभी विभागीय पदाधिकारी, पंचायत सचिव, कनीय अभियंता, लेखा लिपिक सह कंप्यूटर ऑपरेटर और वीपीआरपी फैसिलिटेटर सहित ग्राम पंचायतों के मुखिया शामिल हुए।

गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

राची (आजाद सिपाही)। अरगोड़ा थाना क्षेत्र में गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि एसएसपी को गुप्त सूचना पर मिली थी कि सहजानंद चौक के पास गांजा तस्कर भारी मात्रा में गांजा लेकर सफ्लाय करने पहुंचे है। एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी ने हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक टीम गठित की और त्वरित छापेमारी कर करीब 10 किलो ग्राम गाँजा के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। छापेमारी में हटिया डीएसपी, अरगोड़ा थाना प्रभारी संजय कुमार और एसएसपी की क्यूआरटी टीम सहित अन्य जवान शामिल थे।

AFFIDAVIT

As per affidavit Ref. No. 7846 dated 26.05.2023 **I, SRI RAHUL SARKAR,** son of Bijay Kumar Sarkar, by faith Hindu, by nationality Indian, resident of 15, Bidhan path, Kadma, near Durga Bari, Bhatia basti, P.O. & P.S. Kadma, town Jamshedpur, Dist. East Singhbhum, Jharkhand-831005, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That I am an Indian citizen by birth.
2. That my actual name is RAHUL SARKAR, which is mentioned in all of my documents like aadhar card, Pan card, educational documents, Bank account etc.
3. That from today I am known as SRI RAHUL SARKAR for all my intents and requirement.
4. That I declare SRI RAHUL SARKAR is my identity of my name in all of the official and Govt. department.
5. That SRI RAHUL SARKAR AND RAHUL SARKAR is same and one person referred to as myself.
6. I swear this affidavit to confirm the above facts are true to the best of my knowledge, belief and information and submit the same before concerned authority with my Identified name as SRI RAHUL SARKAR.

चीता प्रोजेक्ट पर सवाल

मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता ज्वाला के एक-एक कर तीन शावकों की मौत ने जहां वन्य जीव प्रेमियों को मायूस किया है, वहीं साउथ अफ्रीका से चीते लाकर भारत के जंगलों को आबाद करने के इस प्रोजेक्ट को सवालों के घेरे में भी ला दिया है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत नामीबिया से 20 चीते लाये गये थे और यहां आने के बाद 27 मार्च को ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था, लेकिन पिछले छह महीने में पहले तीन चीतों की मौत हुई और फिर तीन शावक भी जीवित नहीं रह सके। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे प्रॉजेक्टों का मूल्यांकन करते हुए जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचा जाना चाहिए। न तो एकाध चीतों का जन्म इन प्रोजेक्टों की सफलता का सबूत होता है और न कुछ चीतों की मौत इनकी नाकामी का ऐलान। इसके बावजूद अगर इन मौतों ने जीव विज्ञानियों के बीच चिंता पैदा की है, तो उसकी वजह इन मौतों के लिए जिम्मेदार बताये जा रहे कारकों में देखी जा रही है। मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को हुई इन मौतों का कारण गर्मी, कुपोषण और उपचार के प्रयासों पर इनका कोई रेस्पॉन्स न देना बताया है। क्या इसका मतलब यह है कि इन चीतों और शावकों के लिए यहां का मौसम और परिवेश अपेक्षा से कहीं ज्यादा प्रतिकूल साबित हो रहा है? जानकारों के मुताबिक आम तौर पर संरक्षित क्षेत्र में चीते के शावकों का सरवाइवल रेट काफी अच्छा होता है। इस उम्र में शावकों के लिए सबसे पौष्टिक आहार मां का दूध होता है। करीब दो महीने की उम्र के ये शावक अगर कमजोर थे तो क्या इसका मतलब यह है कि उन्हें मां का पर्याप्त दूध नहीं मिल रहा था और अगर यह सच है, तो क्या इसके पीछे कारण यह है कि मां में पर्याप्त दूध बन ही नहीं रहा था? इन सवालों के प्रामाणिक जवाब मिलने इसलिए भी मुश्किल हैं, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि इन शावकों और मादा चीता पर कैसे और कितनी नजर रखी जा रही थी। विशेषज्ञों के मुताबिक चीता शावकों के पालन-पोषण में इंसानी दखल एक सीमा से ज्यादा नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे इनकी शिकार करने की क्षमता प्रभावित होती है। चूंकि इन्हें वन्य जीव के रूप में विकसित होना है, इसलिए इन्हें प्रतिकूलताओं से खुद जूझना और उनसे पार पाना सीखने देना बेहतर माना जाता है। बहरहाल, यह प्रॉजेक्ट शुरू हो चुका है, इसलिए जरूरी है कि हर छोटी-मोटी बात पर इसे कामयाब घोषित करने या नाकाम करार देने की प्रवृत्ति से बचा जाये। दीर्घकालिक नजरिया अपनाते हुए इस प्रयोग को सही ढंग से आगे बढ़ाया जाये, तो इसकी कामयाबी ही नहीं, नाकामी से जुड़े पहलुओं के भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक हो सकते हैं, जो आगे दुनिया भर के जीव विज्ञानियों का मार्गदर्शन करें।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे प्रॉजेक्टों का मूल्यांकन करते हुए जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचा जाना चाहिए। न तो एकाध चीतों का जन्म इन प्रोजेक्टों की सफलता का सबूत होता है और न कुछ चीतों की मौत इनकी नाकामी का ऐलान।

अभिमत
आजाद सिपाही

खेल में प्रतिस्पर्धी नकारात्मकता है। जैसा कि हम जानते हैं, नकारात्मकता के माहौल में एक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था स्वस्थ तरीके से आगे नहीं बढ़ सकती। आज जिस चीज की तत्काल आवश्यकता है, वह है विपक्षी एकता, जिस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किसी समय जोर दिया था। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाहों की नियुक्तियों और तबादलों को नियंत्रित करने वाले केंद्रीय अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल का पूरा समर्थन किया।

राजनीति में प्रतिस्पर्धी नकारात्मकता से कैसे निपटा जाये

हरि जयसिंह

आज राजनीतिक संस्कृति उचित सौदेबाजी, समायोजन और बदलती जमीनी हकीकतों की उचित समझ की मांग करती है। इसलिए, धार्मिक पहचान को खोये बिना संश्लेषण और आत्मसात करने पर जोर दिया जाना और साथ ही, भारतीय राष्ट्रवाद का एक अग्रगामी आधुनिक इकाई के रूप में विकास और फिर इस प्राचीन भूमि की मिट्टी और सभ्यतागत मूल्यों से जुड़ा होना चाहिए।

देश के मामलों के संचालन में हमारे नेता कहां चूक कर रहे हैं? राजनीतिक प्रबंधन में बहाव की यह निरंतर स्थिति कैसे आयी? बेशक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे कद्दावर नेता के रूप में शासन कर रहे हैं, लेकिन वह आम आदमी के सामने देश की बुनियादी समस्याओं को संबोधित करने की बजाय विदेशों में प्रवासी भारतीयों के बीच अपने स्वयं के महिमामंडन के प्रति अधिक जुनूनी होते जा रहे हैं। इस मामले में प्रत्येक नेता पार्टी और राष्ट्र से पहले स्वयं को रखता है। कुछ अपवादों को छोड़ कर, हमें शासन के सभी स्तरों पर वास्तविक और सिद्धांतवादी नेता शायद ही देखने को मिलते हैं। यह अत्यंत खेदजनक है।

मैं इन बिंदुओं को एक चिंतित भारतीय के रूप में उठा रहा हूं, जो किसी निश्चित राजनीतिक खांचे से संबंधित नहीं है। हालांकि, मैं अत्यधिक प्रदूषित राजनीतिक संस्कृति से परेशान हूं। मैं संसद और उसके बाहर जो कुछ भी देख रहा हूं, उसके लिए किसी व्यक्ति या राजनीतिक समूह को दोष नहीं देना चाहता। खेल में प्रतिस्पर्धी नकारात्मकता है। जैसा कि हम जानते हैं, नकारात्मकता के माहौल में एक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था स्वस्थ तरीके से आगे नहीं बढ़ सकती। आज जिस चीज की तत्काल आवश्यकता है, वह है विपक्षी एकता, जिस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किसी समय जोर दिया था। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाहों की नियुक्तियों और तबादलों को नियंत्रित करने वाले केंद्रीय अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल का पूरा समर्थन किया। यह निश्चित रूप से देश के बुनियादी संघीय संगठन के खिलाफ है।

स्वतंत्र विचारधारा वाले व्यक्ति निश्चित रूप से प्रचलित अत्यधिक राजनीतिक माहौल में नुकसान में हैं।

ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा है कि अगर हम अध्यादेश के खिलाफ केंद्र के कदम के विरुद्ध अभी एकजुट नहीं हुए तो इस देश की जनता हमें माफ नहीं करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि 'केंद्र में सरकार, बुलडोजर की, बुलडोजर द्वारा और बुलडोजर के लिए है'। वह ठीक ही कहती हैं कि देश का अस्तित्व तभी रहेगा जब लोकतंत्र रहेगा। अरविंद केजरीवाल, जो पार्टी नेताओं के साथ केंद्र के कदम के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए देशव्यापी दौरे पर हैं, ने कहा है कि जब हम दिल्ली में सत्ता में आये तो उन्होंने एक साधारण अधिसूचना जारी करके हमारी सारी शक्तियां छीन लीं। हमने उसके खिलाफ 8 साल तक अदालत में लड़ाई लड़ी। जब सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में आदेश दिया, तो जिस दिन कोर्ट छुट्टी पर था उस दिन उन्होंने अध्यादेश ला दिया। 'वे लोकतंत्र का मजाक बना रहे हैं' यह वाकई बेहद परेशान करने वाली बात है।

यह सभी स्तरों पर महसूस करने की आवश्यकता है कि भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता को तब तक उन्नत नहीं किया जा सकता, जब तक कि मंत्रिस्तरीय सोच और कार्य में दोहरे मापदंड, पाखंड और दोगलेपन का शासन है। आज हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में चौतरफा गिरावट है। विशेष रूप से चिंताजनक बात यह है कि जब राजनेता अस्तित्व के लिए अपनी व्यक्तिगत लड़ाई लड़ते हैं, तो प्रमुख सार्वजनिक मुद्दों को या तो पीछे धकेल दिया जाता है या आसानी से अनदेखा कर दिया जाता है। इस स्थिति में अफसोस की बात यह है कि ईमानदार और विश्वसनीय भारतीय तेजी से हाशिए पर जा रहे हैं।

स्वतंत्र विचारधारा वाले व्यक्ति निश्चित रूप से प्रचलित अत्यधिक राजनीतिक माहौल में नुकसान में हैं। नये खेल का नाम भारतीयों को लेफ्ट, राइट, लेफ्ट ऑफ राइट, राइट ऑफ लेफ्ट के रूप में वर्गीकृत करना है और वैचारिक लिहाज से नहीं, बल्कि सत्ताधारियों की पसंद के आधार पर। इस बात की सराहना की जानी चाहिए कि भारत की लोकतांत्रिक नींव को समय-परीक्षित धर्मनिरपेक्ष, बहुलवादी और संघीय सिद्धांतों पर मजबूत किया गया है। इसके अलावा, क्षेत्रीय और स्थानीय ताकतों की आशाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय दलों द्वारा सामंजस्यपूर्ण संरेखण पर काम करना होगा।

वास्तव में वर्तमान आत्मकेंद्रित और संवेदनहीन व्यवस्था और पथभ्रष्ट नेतृत्व में सूक्ष्म गतियों और स्थानीय कारकों को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए। आज राजनीतिक संस्कृति उचित सौदेबाजी, समायोजन और बदलती जमीनी हकीकतों की उचित समझ की मांग करती है। इसलिए, धार्मिक पहचान को खोये बिना संश्लेषण और आत्मसात करने पर जोर दिया जाना और साथ ही, भारतीय राष्ट्रवाद का एक अग्रगामी आधुनिक इकाई के रूप में विकास और फिर इस प्राचीन भूमि की मिट्टी और सभ्यतागत मूल्यों से जुड़ा होना चाहिए। यह अफसोस की बात है कि शासक अभिजात वर्ग ने सही आचरण के उच्च मानक स्थापित नहीं किये। सत्ता का इस्तेमाल लोगों की भलाई के लिए और हमारी लोकतांत्रिक राजनीति की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए भी किया जाना चाहिए। चाहे दोषी व्यक्ति चेन्नई, चंडीगढ़, मुंबई या नयी दिल्ली में हों, यह लोगों पर है कि वे दबाव बनायें और बुरे को बुरा कहें। देश चौराहे पर है। राष्ट्रीय जीवन के प्रत्येक क्षेत्र की शक्ति की डोरियों को नियंत्रित करने के लिए आ गये संचालकों और जोड़-तोड़ के कुटिल मंसूबों से इसे बचाना होगा।

जमशेदपुर की खबरें

किसानों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में दी गयी कई अहम जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। नीमडीह प्रखंड अन्तर्गत लाकड़ी पंचायत के बुरूडीह मध्य विद्यालय में रीयार परियोजना के तहत लीड्स संस्था रांची के द्वारा आदर्श पुरुष किसान की तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन किया गया। शनिवार को समापन के दौरान कृषि विशेषज्ञ गैपाल कुईला प्रशिक्षण शिविर में आदर्श किसानों को जैविक खेती के बारे में विस्तार पुर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा वर्तमान समय के दौरान विश्व में जैविक कृषि का दौर चल रहा है। जैविक खेती में रासायनिक खाद का उपयोग नहीं होता है। जैविक कृषि से उपज सब्जी और फसलों का वैश्विक बाजारो में तेजी से मांग बढ़ रही है। कृषि विशेषज्ञ ने गर्मी एवं बरसात में सब्जी खेती में लौकी, भिंडी, बेगन, खीरा, तरबुज, करेला, परबल लगाने के तरीका और बीज शोधन नर्सरी संबंधित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में सब्जी और अन्य फसलों के उत्पादन में सिंचाई की अधिक आवश्यकता है। जहां पानी उपलब्ध रहे वहीं खेती करें। इस अवसर पर रीयर परियोजना समन्वयक सजंय कुमार माहतो ने बिधि तकनीक मे धान खेती के बारे में विस्तार पुर्वक जानकारी दी। उन्होंने बकरी पालन, बतख पालन, मुरगी पालन, शूयर पालन, मछली पालन के विषय में विस्तार से बताया। मौके पर फील्ड कार्यकर्ता शकंर सिहं, सोहन सिहं सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीडीओ ने डुमागकोचा गांव को लिया गोद, मूलभूत सुविधा देने और शराब भट्ठी तोड़ने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला विधानसभा स्थित मुसाबनी प्रखंड को आदर्श प्रखंड बनाने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती सीमा कुमारी ने पहल शुरू कर दी। शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी ने गांव और टोलों का निरीक्षण के दौरान विकास का कार्य में जुट गयी है। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में अलसवेर फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत में निरीक्षण के दौरान डुमागकोचा गांव को विकसित करने के उद्देश से गोद लिया गया। वहां बच्चों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा सहित अन्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयास कु जारही है। श्रीमती सीमा कुमारी ने बताया फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में बसे डुमागकोचा गांव का निरीक्षण के दौरन जानकारी मिली गांव में कुल 52 परिवार रहते है। इसमें से तीन ऐसे बच्चे है जिन्हे लंबे समय से आवश्यक संतुलित आहार नही मिलने पर कुपोषित का शिकार बन गये है। वही अधिकांश बच्चे, महिला और पुरूष चरम रोग से ग्रसित है। जानकारी मिलने पर उन्होंने तत्काल मुसाबनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा प्रभारी को ईलाज कराने और कुपोषण के शिकार तीनो बच्चे को अस्पताल में भर्त्ती करने का निर्देश दी। साथ ही 15 दिन पर कैंप लगाने का निर्देश दी। गांव में ऑगनबाड़ी केन्द्र नहीं होने पर 6 साल के बच्चों को शिक्षा देने के लिए एक हजार प्रतिमाह देने के लिए कहा गया। पाथरगोड़ा के ऑगनबाड़ी सेविकाओं को बच्चों के लिए भोजन देने को कहा गया। वही ग्रामीण को मनरेगा के तहत दीदी बाड़ी योजना का लाभ दिया जायेगा। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को सभी लाभुक के नाम से दीदी बाड़ी योजना लेने का निर्देश दिया गया।

ताकि सभी को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। रोजगार सेवक को सभी का जॉब कार्ड,पेयजल और स्वच्छा विभाग को जल मिनार बनाने का निदेश दिया गया। वही मुसाबनी थाना प्रभारी अवैध शराब भट्टी को तोड़ने के लिए अपिल की गयी।

हाइकोर्ट के निर्देश पर नगर निकाय ने तेज की कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर में नक्शा विचलन कर बेसमेंट में अवैध रूप से व्यवसायिक गतिविधि संचालित करने वालों के खिलाफ जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति ने कारवाई शुरू कर दी। शनिवार को माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। हालांकि पूर्व में ही 7 दिन एवं 72 घंटे का नोटिस जारी कर स्वतः खाली करते हुए सूचित करने हेतु शपथ पत्र के माध्यम से नोटिस जारी की गई थी। उसके उपरांत 13 लोगों के द्वारा शपथ पत्र जमा किया गया। लेकिन अन्य लोग जिन्होंने भवन के बेसमेंट में पार्किंग के बदले व्यवसायिक गतिविधि कार्य चला रहे है उन पर कार्रवाई करने के लिए एसडीओ पीयूष कुमार के द्वारा दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गईं। जेएनएसी के विशेष पदाधिकारी संजय कुमार के नेतृत्व मे कार्यपालक दंडाधिकारी निशा कुमारी व स्थानीय पुलिस के सहयोग से होल्डिंग संख्या 109, 110 साकची एरिया, साकची मस्जिद के सामने होल्डिंग संख्या 30, बिष्टुपुर सचदेवा सैमसंग शोरूम एवं बुलेवर्ड शॉप एरिया हीरो हौंडा शोरूम में कार्रवाई की गई। मौके पर एसएनपी एरिया साकची होल्डिंग संख्या 109 ,110 के दो भवन में सीढ़ी और दुकान को तोड़ा गया। वही बिष्टुपुर के सचदेवा सैमसंग शोरूम के सीढ़ी को तोड़ते हुए पार्किंग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। करवाई में सहायक अभियंता, सिटी मैनेजर, कनीय अभियंता व उड़नदस्ता के टीम और स्थानीय पुलिस शामिल रहे।

भाजपा नेता का खोया हुआ मोबाइल 1 घंटे में बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आरआईटी प्रभारी ने बीते दिनों नाबालिक अपहरण मामले में कारवाई के बाद भाजपा नेता अमितेश अमर का खोया मोबाईल भी चंद घंटों में बरामद कर उन्हें सौंप दिया। शनिवार को मोबाइल मिलते ही अमितेश अमर के चेहरे में खुशी देखने को मिली। उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। बताया जा रहा है भाजपा नेता अमितेश अमर का मोबाईल शनिवार की सुबह लगभग 9:00 बजे कही गिर गया था। काफी खोजबीन के बाद भी मोबाइल नहीं मिला। उन्होंने इसकी सूचना थाना प्रभारी सागर लाल महथा को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने तत्काल कारवाई करते हुए तकनीकी सेल के सहयोग से अनुसंधान शुरू कर दी। पुलिस ने लगभग 1 घंटे की मशक्कत के बाद मोबाईल चूना भट्ठा के समीप दीपक नामक व्यक्ति से बरामद कर लिया। आरआईटी थाना प्रभारी को मिली सुराग से मिले लोकेशन के आधार पर मोबाइल बरामद किया गया। पूछताछ में दीपक ने बताया मोबाइल सड़क पर गिरा मिला। जिसे डिक्की में रख दिया गया। कुछ जरूरी काम से कदमा जाकर वापस लौटने के दौरान पुलिस ने उन्हें ट्रैप कर लिया। इधर चंद घंटों के भीतर मोबाइल रिकवर होने पर भाजपा नेता अमितेश अमर ने प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने थाना प्रभारी के प्रयासों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा जिस तत्परता से मोबाइल ढूंढ निकाला गया वह काबिले तारीफ है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार का विशेष अभियान 29 मई से 14 जून तक

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत मध्यस्थता पर आधारित विशेष अभियान मन का मिलन पखवाड़₹ का आयोजन सरायकेला में 29 मई से 14 जून तक किया जायेगा। जिले में 17 दिवसीय विशेष अभियान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार विजय कुमार की अध्यक्षता में की जायेगी। अभियान के तहत पूरे जिले में मध्यस्थता से संबंधित विधिक जागरूकता शिविर में सभी लीगल एड क्लिनिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में मन का मिलन पखवाड़ा का आयोजन होगा। कार्यक्रम का आयोजन जिले के सभी लीगल एड क्लिनिक, फ्रंट ऑफिस औरव्यवहार न्यायालय मध्यस्थता केन्द्र पर किया जाएगा। जिसमें आमलोगों को मध्यस्थता के माध्यम से वादों का निष्पादन किए जाने के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। ताकि मध्यस्थता के माध्यम से अधिक से अधिक वादों का निष्पादन किया जा सके। सचिव क्रांति प्रसाद ने बताया मन का मिलन पखवाड़ा मध्यस्थता के माध्यम से वादों के निष्पादन के लिए एक अनूठी पहल है। यह अभियान आम जनमानस के लिए काफी लाभकारी व कल्याणकारी साबित होगा।उन्होंने बताया मध्यस्थता में भाग लेने वाले दोनों पक्षकारों की बातें पूर्ण गोपनीय रहेगी। भाग लेना पक्षकारों की सहमति पर निर्भर है। दोनों पक्ष मिलकर आपसी सहमति से विवाद का समाधान ढूंढने से दोनों के समय, धन और व्यक्तिगत संबंधों की रक्षा होती है। सचिव ने आमलोगों से अपील की वे इस विशेष अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

रातू प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चुने गये कुशल उरांव

कुशल उरांव के अध्यक्ष चुने जाने पर कांग्रेस नेताओं व क्षेत्र के लोगों ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो के द्वारा पत्र देकर बाजपुर पंचायत के पूर्व मुखिया व समाजसेवी कुशल उरांव को रातू प्रखंड कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाये गये।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, महासचिव अजय नाथ शाहदेव व महासचिव अजय नाथ शाहदेव ने कुशल उरांव को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मौके पर कुशल उरांव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसका मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। उन्होंने कहा कि संगठन का सशक्तिकरण, कांग्रेस पार्टी की विचाधारा और हमारी गठबंधन सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होगी।

कुशल उरांव के अध्यक्ष चुने जाने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के प्रभारी शिव कुमार भगत, अमर उरांव, खलील अंसारी, लाल रमेश नाथ शाहदेव, कुमार अतुल राज, मुखिया सुखदेव उरांव, सोमा उरांव, हाजी मंसूर अंसारी, लक्ष्मी नारायण भगत, मिथिलेश दुबे, नारायण उरांव, रेणु तिर्की, सोमनाथ उरांव, संजय साहू, हेमंत गाड़ी, सुशांत उरांव, मंजूर अंसारी, सहावीर लोहरा, अभिषेक सिंह, अकलिमा खातून, जसीम अंसारी, रीता भगत, चिंता गोप, किशोर पोद्दार एवं अन्य लोगों ने भी बधाई दी।

बेड़ो में महिलाओं को निःशुल्क दिखायी गयी केरला स्टोरी, आज भी दिखायी जायेगी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के हाल में पर्दे पर प्रोजेक्टर के माध्यम से महिलाओं को बहुचर्चित फिल्म द केरला स्टोरी दिखायी गयी। फिल्म देखने पहुंची महिलाओं ने फिल्म देखने के बाद द केरला स्टोरी को सच्ची घटनाओं पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म पूरे राज्य में टैक्स फ्री की जानी चाहिए ताकि किसी भी युवती या छात्राओं को फिल्म देखने में सुविधा होगी। वहीं आयोजकों में मनोहर एवं संजीव जी ने बताया कि यह फिल्म सिर्फ केरल ही नहीं बल्कि पूरे देश के अलग-अलग प्रांतों में लव जिहाद के रूप में धर्मांतरण का गंदा खेल खेला जा रहा है, इसी हकीकत को फिल्म में दर्शाया गया है। गंभीरतापूर्वक फिल्म को देखने के बाद युवतियों में जन जागरूकता आ रही है। लोग हकीकत को धीरे-धीरे समझने लगे हैं। बेड़ो के सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा बेड़ो के ग्रामीणों खासकर स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं, युवतियों तथा ग्रामीण महिलाओं में जन जागरूकता लाने के लिए 'द केरला स्टोरी' नामक फिल्म बेड़ो के सरस्वती विद्या मंदिर में निःशुल्क दिखाई जा रही है। आयोजकों ने बताया कि कल दिनांक 28-05-2023 दिन रविवार को प्रातः 9:00 तथा दोपहर 12:00 से दो शो का आयोजन किया गया है। जिन माताओं बहनों को निःशुल्क फिल्म देखने की इच्छा होगी तो समय पर पहुंचने की कृपा करेंगे। वैसे फिल्म को देखने के लिए महिलाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

ककरिया स्वास्थ्य केंद्र को मिली 108 एंबुलेंस की सेवा एक महीने से बंद है

फाइल फोटो

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड क्षेत्र का ककरिया स्वास्थ्य केंद्र को मिली 108 एम्बुलेंस सेवा का लाभ लगभग एक माह से अधिक समय से इन दिनों इस क्षेत्र के मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। गर्भवती महिला या सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को तत्काल अस्पताल तक पहुंचाने वाली एम्बुलेंस लगभग एक माह से अधिक समय से खुद बिमार है। जिससे गर्भवती महिलाएं व घायल व्यक्ति हॉस्पिटल नहीं पहुच पाते हैं और असमय मौत हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि ककरिया क्षेत्र के लोगों को मिली एंबुलेंस को एक माह पूर्व बनाने के लिए विभाग के द्वारा मंगा लिया गया, लेकिन अभी तक वापस बनकर नहीं आयी है। ग्रामीणों ने बताया कि ककरिया क्षेत्र के लिए जो एंबुलेंस मिली थी वह बहुत पुरानी और जर्जर एंबुलेंस थी, जो बार-बार खराब हो जाया करती है । जिस कारण अभी क्षेत्र के मरीजों को अस्पताल तक जाने के लिए निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे गरीबों को हॉस्पिटल जाना महंगा पड़ता है। वहीं इस क्षेत्र के लोगों के लिए फिर कब से एंबुलेंस सेवा मिलेगी कोई भी बता पाने में सक्षम नहीं है। विभाग के अधिकारी और ना ही कोई जनप्रतिनिधि का इस ओर ध्यान है। वहीं दूसरी ओर लापुंग सीएचसी में एक एम्बुलेंस है, पर इतने बड़े व सुदूरवर्ती क्षेत्र के लिए एक एम्बुलेंस काफी नहीं है। क्योंकि इस क्षेत्र से बेहतर इलाज के लिए अधिकतर मरीजों को रांची-खूंटी का सहारा लेना पड़ता है। एंबुलेंस नहीं रहने से गरीब मरीजों व सड़क दुर्घटना में घायलों को समय पर बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा है।

बैठक : ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति के अध्यक्षों बंधु तिर्की ने दिये निर्देश

समिति अध्यक्ष सरकारी राशि की आवश्यकता अनुसार उपयोग करें

समारोह के समापन से पूर्व मुख्य अतिथि ने सभी को वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा की शपथ दिलायी

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। मांडर वन विश्रामागर परिसर में चान्हो-मांडर प्रखंड के ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति के अध्यक्ष के साथ झारखंड राज्य वन प्रबंधन समन्वयक समिति के सदस्य सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने बैठक की। मुख्य अतिथि का स्वागत वन क्षेत्र पदाधिकारी ने बुके देकर करते हुए अपने चान्हो मांडर प्रखंड में वन विभाग के विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में बंधु तिर्की ने सभी समिति के अध्यक्षों को उनके कार्य एवं अधिकार की जानकारी देते हुए सरकारी राशि की आवश्यकता अनुसार उपयोग करने का निर्देश दिया। समिति के अध्यक्षों के मानदेय एवं पहचान पत्र निर्गत करने की मांग झारखंड सरकार के समन्वयक समिति के सदस्य सह पूर्व मंत्री से की गई। समारोह का समापन से पूर्व मुख्य अतिथि द्वारा वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा हेतु शपथ दिलायी गयी। तत्पश्चात रुद्राक्ष का पौधा लगाकर सभी को अपने क्षेत्र में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पेड़ बचाव पेड़ लगाव का संदेश दिया गया।

मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी, बुढ़मू, मांडर सुरेन्द्र सिंह, संजय पाहन, अमृत तिर्की, मनोज कच्छप, बालकिशोर मिंज, समीर कुमार, बिनोद मिंज, गुप्तेश्वर सिंह, जुवेल तिग्गा, जमील मलिक, रणविजय सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

ग्रामीण जागरूक बनें, हम समस्या सुलझाने को तैयार : बंधु तिर्की

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीणों की सभी समस्याओं को सुलझाने के लिए तैयार हैं लेकिन इसके लिए सबसे पहले ग्रामीणों को जागरूक बनना पड़ेगा और उन्हें सरकार की लाभकारी योजनाओं के विषय में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करनी होगी। उक्त बातें पूर्व मंत्री सह झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने शनिवार को प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली पंचायत के भसनंदा गांव में आयोजित ग्रामीणों की एक सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने विशेष रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों एवं आम लोगों जागरूक करें। हमेशा लोगों की समस्याओं और उनकी कठिनाइयों को समझें तथा उसे ना केवल उनके समक्ष बल्कि प्रखंड व अंचल कार्यालय के साथ ही अन्य संबंधित कार्यालयों तक ले जाने की कोशिश करें। बंधु तिर्की ने उपस्थित प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मचारियों एवं निर्वाचित जन प्रतिनिधियों से विशेष रूप से कहा कि आम जनता की परेशानियों के समाधान के लिये संवेदनशीलता बहुत आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और उसे दुरुस्त करने के लिए दिशा निर्देश दिए। मौके पर उपप्रमुख मोद्दसिर हक, सरवर खान सहित ग्रामीण मौजूद थे।

डिप्लोमा इन फार्मेसी परीक्षा के लिए वाइबीएन विवि रांची के परीक्षा केंद्र का चयन

विश्वविद्यालय की तरफ से परीक्षार्थियों के लिये हरसंभव सुविधाओं को योजनाबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया गया है

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत डिप्लोमा इन फार्मेसी परीक्षा समिति झारखंड ने वाईबीएन विश्वविद्यालय रांची को झारखंड राज्य में स्थित एवं संचालित सभी डिप्लोमा इन फार्मेसी महाविद्यालयों में अध्ययनरत प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों की वार्षिक परीक्षा का आयोजन करने के लिये 29 मई से 09 जून तक निर्धारित की है। इस परीक्षा के आयोजन के लिये परीक्षा समिति ने वाईबीएन विश्वविद्यालय रांची को परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया है।

परीक्षा समिति द्वारा विश्वविद्यालय को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिये दिशा-निर्देश प्रदान किये गये हैं। ताकि परीक्षा सुखद और न्यायसंगत ढंग से संपन्न हो सके। झारखंड राज्य के सभी डिप्लोमा इन फार्मेसी महाविद्यालयों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों से अनुरोध किया जाता है कि वे परीक्षा केंद्र के अनुसार परीक्षा समय पर उपस्थित हों और परीक्षा के निर्धारित नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन में विश्वविद्यालय को सहयोग प्रदान करें।

विश्वविद्यालय की तरफ से परीक्षार्थियों के लिये हरसंभव सुविधाओं को योजनाबद्ध उपलब्ध कराया गया है। इस दौरान विशेषकर महिला एवं स्वास्थ्य समस्या से जुड़े परीक्षार्थियों के लिये विश्वविद्यालय में अतिरिक्त सावधानी रखी जा रही है। विश्वविद्यालय केंद्र अधीक्षक ने कहा कि सभी परीक्षार्थी सफलता-पूर्वक परीक्षा संचालन में सहयोग करें ताकि विश्वविद्यालय अपने भरसक प्रयास से परीक्षार्थियों के भौतिक सुविधाओं को सुचारु रूप से समाधान कर सके। परीक्षार्थियों के सुखद यातायात को ध्यान में रखते हुये अतिरिक्त परिवहन सेवा के रूप में बस की सुविधा प्रदान की गयी है।

96 लाख की लागत से कुच्चू के दो तालाबों का सीसीएल करेगी कायाकल्प

राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू ने की खास पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू की खास पहल पर कुच्चू के दो तालाबों का कायाकल्प सीसीएल के द्वारा किया जायेगा। तालाब जीर्णोद्धार कार्य हेतू आए हुए सीसीएल सीएमडी एमपी प्रसाद, मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू, भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी को मां की प्रतिमा मोमेंटो स्वरूप प्रदान कर सवागत किया गया। जीर्णोद्धार कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि इन दोनों तालाबों के जीर्णोद्धार हो जाने से ग्रामीणों को चौतरफा लाभ मिलेगा। भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी ने कहा कि किसानों में खुशहाली आएगी। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि तालाब, कुआं, बावड़ी का निर्माण कराना उसका रखरखाव करना बहुत ही पुण्य का काम है। इसके लिए मैं राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू और सीसीएल के सीएमडी का दिल से साधुवाद देता हूं। सीसीएल सीएमडी ने कहा कि तालाब जीर्णोद्धार कार्य पूरी इमानदारी के साथ होनी चाहिए।

जीर्णोद्धार कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलदीप साहू, राजकिशोर साहू, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, अजय साहू, भाजपा मीडिया प्रभारी राजकिशोर साहू, आनंद महतो, भाजपा मंडल प्रवक्ता अलखनाथ महतो के अलावा सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बैठक : अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ झारखंड प्रदेश के शिक्षकों की बैठक में पदाधिकारियों का चयन

समीर चौधरी सर्वसम्मति से प्रदेश संयोजक बनाये गये

प्रदेश सह संयोजक रूपेश कुमार दुमका, रितेश कुमार महतो रांची, मुन्ना कुमार रामगढ़, शिखा किस्पोटा रांची, वैजयंती उरांव लोहरदगा चुने गये

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ स्कूली शिक्षा संवर्ग झारखंड प्रदेश संयोजक समीर चौधरी को बनाया गया। शनिवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ झारखंड प्रदेश के शिक्षकों की हुई बैठक में समीर चौधरी सर्वसम्मति से प्रदेश संयोजक बनाए गये। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष उच्च शिक्षा संवर्ग डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने की। बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ झारखंड के प्रभारी महेन्द्र कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में प्रदेश सह संयोजक रूपेश कुमार दुमका, रितेश कुमार महतो रांची, मुन्ना कुमार रामगढ़, शिखा किस्पोटा रांची, वैजयंती उरांव लोहरदगा चुने गये। इसी क्रम में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल प्रभारी राजबीर चौधरी, रांची जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह, रांची जिला सहसंयोजक दुलाल चंद्र महतो, शिव महतो, संजय प्रमाणिक एवं शिवेंदू जायसवाल को बनाया गया। लोहरदगा जिला संयोजक अमन साहू एवं गुमला जिला संयोजक अमित कुमार बनाए गये।

बैठक में इंदू कुमारी, संगीता सिन्हा, विवेक कुमार शर्मा, अनुज टोप्पो, डॉ समीर हजाम, प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, कृतिवास महतो, भुपेन्द्र कुमार, लक्ष्मीकांत महतो, सुबोधकांत, नंदकिशोर महतो, सुरेश महतो, मदन कुमार साहू, विरेन्द्र प्रमाणिक, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ अभय कृष्ण सिंह आदि उपस्थित थे।

हटिया विधायक ने नगड़ी में सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

नगड़ी प्रखंड क्षेत्र का संपूर्ण विकास ही मेरा लक्ष्य है : नवीन जायसवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। हटिया विधायक नवीन जयासवाल ने शनिवार को नगड़ी के मदर डेयरी टिकरा टोली से स्वर्ण रेखा नदी के पथ तक साढ़े तीन किलोमीटर तक सड़क का नारियल फोड़कर और शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया। ग्रामीण विकास विभाग से मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत निर्मित यह सड़क बनायी जा रही है। सड़क का निर्माण 02 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से होगा। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा नगड़ी प्रखंड क्षेत्र का संपूर्ण विकास ही मेरा लक्ष्य है। क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आम लोगों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संग सामंजस्य बनाकर कार्य करने की जरूरत है। तभी विकास कार्य तेजी से और गुणवत्तापूर्वक किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि नगड़ी प्रखंड के सभी गांवों की जर्जर सड़क का शीघ्र पुननिर्माण कराने का आश्वासन दिया। मौके पर जिला परिषद सदस्य पुनम देवी, सांसद प्रतिनिधि केदार महतो , बजरंग महतो, पूर्व मुखिया पंचम प्रेम किस्पोट्टा, पूर्व पंसस नारो रामेश्वर महतो, दिलीप तिर्की सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

नगड़ी के कुदलौंग में खिजरी विधायक ने किया सरना स्थल का शिलान्यास

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड के कुदलौंग पंचायत के कुदलौंग एवं बालालौंग पंचायत के बारीडीह में शनिवार को खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कल्याण विभाग मद से बनने वाले सरना स्थल का शिलान्यास किया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि क्षेत्र का विकास एवं जन सरोकार का कार्य करना हमारा लक्ष्य है। मौके पर मुख्य रूप से रोशन कुजूर, माधो कच्छप, अनिल लकड़ा, मनोज तिर्की, दीपक उरांव, संजय सरैया, बसंत बाखला, प्रदीप तिर्की, सुकरा उरांव, बिगल मुण्डा, पुपेन कच्छप, पिंकी तिर्की, विनीता तिर्की, रीतेश कुजूर, आशिष गाड़ी, बबलू महली सहित सैकडों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मांडर में बाइक से गिरकर युवक की मौत

मांडर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के नारों जंगल के निकट हुई सड़क दुर्घटना में प्रकाश महली (35) वर्ष ग्राम चचकोपी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना शाम लगभग 8 बजे की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार वह अपनी बाइक से मांडर से घर जा रहा था, इसी क्रम मे नारों जंगल के निकट वह असंतुलित होकर गिर गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले लिया है।

टाटीसिलवे में बंद घर का ताला तोड़कर 15 लाख के जेवर सहित 50 हजार रुपये नगद ले उड़े चोर

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के महिलोंग में चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर 15 लाख के जेवरात और 50 हजार नगद की चोरी कर ली है। इस संबंध में घर मालिक बिनोद तिर्की पिता स्व. फकीर तिर्की, ग्राम आरा नया टोली, पो. महिलोंग, थाना टाटीसिलवे, जिला रांची ने टाटीसिलवे थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार बिनोद की पत्नी ननकी केरकेट्टा की तबीयत खराब रहने के कारण अस्पताल से छुट्टी होने पर दोनों फुआ के घर दसमाइल सिलादोन रांची में रह रहे थे। बताया कि अंतिम बार 07 मई 2023 को अपने घर आरा नया टोली आया था, तब तक सब कुछ ठीक था। जब वे 25 मई को शाम में घर आये तो देखा कि बाउन्ड्री का गेट ताला लगा है लेकिन घर का ग्रील का ताला और दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। अंदर आया तो देखा कि अंदर का तीनों बेड रूम का ताला और तीन आलमारी का ताला भी टूटा हुआ था। आलमारी का सारा सामान इधर उधर बिखरा पड़ा था। बिनोद के मुताबिक आलमारी में नगद 50 हजार रुपए, करीब 250 ग्राम सोना (चेन, पांच जोड़ा कान एवं नाक का गहना सहित अन्य), चांदी लगभग 700 ग्राम (12 गले का चेन एवं 07 जोड़ी पायल व अन्य) चोरी कर ली गयी। साथ ही 04 गैस सिलेन्डर, इनवर्टर और बैटरी भी चोरी हो गयी। बताया कि घर में चोरी 08.05.23 से 24.05.23 के बीच ही अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की गयी है। वहीं पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। इस काण्ड का अनुसंधान एसआई पंकज चौधरी कर रहे हैं।

पचास फीसदी अनुदान पर बीज वितरण योजना का शुभारंभ

खूंटी (आजाद सिपाही)। कृषि विभाग और खूंटी लैम्पस के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को बीज विनिमय एवं वितरण योजना के तहत ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी ओटीपी के माध्यम से किसानों को 50 फीसदी अनुदान पर धान बीज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। खूंटी लैंप्स परिसर में धान बीज प्रभेद डीआरआरएच2 और डीआरआ3 के वितरण का शुभारंभ खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने किया। मौके पर उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी संतोष लकरा, जिला 20 सूत्री के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद, जिला परिषद उपाध्यक्ष मंजू देवी तथा खूंटी प्रखंड टोटराय मुंडा ने किसानों का आह्वान किया कि वे कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाएं। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी के सहयोगी मयंक कुमार, कृषि निरीक्षक मधुसूदन कुमार सिन्हा तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रभारी उप परियोजना निदेशक अमरेश कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सहित कई कृषक उपस्थित थे।

तेज आंधी में पलाश का पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की हुई मौत

नौडीहा बाजार/पलामू (आजाद सिपाही)। नौडीहा बाजार प्रखंड अंतर्गत लक्ष्मीपुर पंचायत के जोलाखाप ग्राम में शुक्रवार को चली तेज आंधी म्की चपेच में आकर पलाश का एक पेड़ उखड़ कर एक व्यक्ति पर जा गिरा। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बबन साव (27) के रुप में की गयी है। बताया जाता है कि बबन साव अपने खेतों से घर की ओर लौट रहे थे इसी दौरान तेज आंधी चलने लगा और अचानक पलाश का पेड उनके सर पर गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और कुछ देर बाद ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी सूचना मिलने पर लक्ष्मीपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सुनीता देवी ने इस घटना को दुखद बताया हैं। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार को यथासंभव मदद का आश्वासन भी दिया है।

आरसीयू के दीक्षांत समारोह में आने के लिए दिया निमंत्रण

विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। झारखंड के पूर्व स्वास्थ मंत्री सह विश्रामपुर के विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से रांची प्रवास के दौरान राजभवन में जाकर मुलाकात की। विधायक चंद्रवंशी ने महामहिम द्रौपदी मुर्मू को विश्रामपुर के रामचंद्र चंद्रवंशी विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। इसके आलावा उन्होंने महामहिम से लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का उद्घाटन करने का भी आग्रह किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विधायक चंद्रवंशी के आमंत्रण व आग्रह को स्वीकार किया। उन्होंने विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी को आश्वस्त किया कि विश्रामपुर आने का हर संभव प्रयास रहेगा। वहीं, विधायक ने कहा कि राष्ट्रपति का आना विश्रामपुर के लिए गर्व की बात है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण पत्र देते विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी।

टीएसपीसी के दो उग्रवादी गिरफ्तार, लेवी के 50 हजार जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नक्सलियों-उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पलामू पुलिस को सफलता मिली है। जिले के पडवा थाना क्षेत्र के माधुरी जंगल से विशेष पुलिस दल ने खुफिया सूचना पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के दो उग्रवादियों को लेबी के 50 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया है। उनके पास से पॉवर बैंक, चार नक्सल पर्चा, दो मोबाइल फोन और एक बाइक भी बरामद की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने शनिवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि नकुल सिंह (25) और सुरेंद्र सिंह (32) नामक टीएसपीसी उग्रवादी बाइक से बासू गांव की ओर से माधुरी जंगल की ओर जा रहे है। इसके बाद पहले से दल घात लगाए बैठी पुलिस ने उन्हें नजदीक आते ही दबोच लिया। गिरफ्तार दोनों उग्रवादियों ने पुलिस को बताया है कि टीएसपीसी के सुप्रीमो नकुल सिंह के कहने पर पैसे एवं सामान लेकर जा रहे थे। नकुल के कहने पर ही संगठन के निशांत जी, शशिकांत जी, मंटू जी उर्फ दिलेश जी, नगीना जी, यमुना जी, बादल जी, रंजन जी, मुखदेव यादव के लिए काम करता हूं। लेवी के पैसे एवं सामान नेपाली जी को पहुंचाते हैं और नेपाली के कहने पर उसकी पत्नी तक पहुंचाते हैं। पड़वा, नावाबाजार, लेस्लीगंज और छतरपुर क्षेत्र से पैसे (लेवी) लेकर पहुंचाया हूं। इसके अलावा दूसरे क्षेत्र के अन्य लोग भी लेवी नेपाली एवं उसकी पत्नी और संगठन के सदस्यों तक पहुंचाते हैं। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार नकुल सिंह मनातू के गरवट, जबकि सुरेन्द्र सिंह इसी थाना क्षेत्र के सेमरी गांव का रहने वाला है। गिरफ्तारी टीम में पड़वा के थाना प्रभारी नकुल साह, पु.अ.नि. दिवाकर कुमार, तकनीकी शाखा प्रभारी पलामू, सअनि संजय कुमार रजवार और जवान शामिल थे।

विधायक ने की हैदरनगर में आरओबी निर्माण की मांग, रेल मंत्री-अधिकारियों को लिखा पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विधायक कमलेश कुमार सिंह ने केंद्रीय रेलमंत्री और हाजीपुर रेल महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कहा है कि हैदरनगर में रेलवे फाटक संख्या 50 सी पर अविलंब फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण कराना जरूरी हो गया है। दंगवार मोहम्मदगंज मुख्य पथ में पड़ने वाले 50 सी रेल फाटक बंद रहने से लंबी दूरी को जाने वाले यात्री चार पहिया, बस, ट्रक के अलावा अस्पताल व बाजार जाने वाले लोगों को घंटों रेलवे फाटक पर खड़े होकर इंतजार करना पड़ता है। कहा कि रेल फाटक के प्रायः बंद रहने से अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। पर्व-त्योहारों व शादी-विवाह के समय सड़क मार्ग पर वाहनों की संख्या भी बढ़ जाती है। जिससे रेल फाटक के बंद रहने सभी को परेशानियों से रूबरू होना पड़ता है। उन्हें गंतव्य को रवाना होने में घंटों समय लग जाता है। उन्होंने जनहित में रेल फाटक संख्या 50 सी पर आरओबी निर्माण कराने की मांग की है।

आवास निर्माण के लिए नहीं मिल रहा बालूः ऋषि

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। कांग्रेस के विश्रामपुर नगर अध्यक्ष ऋषि पांडेय ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में बालू की किल्लत से प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना का निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। आवास निर्माण सहित किसी भी सरकारी योजना के लिए बालू नहीं मिल रहा है। जिस कारण आम जनता भी परेशान हैं। उन्होंने शनिवार को विश्रामपुर में कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कांग्रेस के सभी राज्य मंत्रियों सहित प्रदेश प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष को पत्र भी लिखा है। पत्र के माध्यम से आवास सहित सभी सरकारी योजनाओं में तत्काल बालू के वैकल्पिक व्यवस्था कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बालू की कमी के कारण लाभुक आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं करा पा रहे हैं। वहीं नगर परिषद कार्यालय द्वारा लाभुकों पर तय समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने का दबाव डाला जा रहा है। इसी मामले को लेकर चार जून को मुख्यमंत्री से रांची जाकर मुलाकात करें और विकल्प व्यवस्था करने की अपील करेंगें।

शादी में फिजूलखर्ची से बचें : जुम्मन मियां

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के करमा गांव के मदरसा में शनिवार को तंजीम इस्लाहुल मुस्लिम कमेटी के तत्वाधान में बैठक की गई। जिसमें सदर मुमताज अंसारी सेक्रेटरी अबुल हसन उर्फ जुम्मन मियां खजांची शमीम सिद्दीकी समेत कई लोग मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि शादी विवाह में दहेज प्रथा, बम पटाखे ,डीजे आदि फिजूल खर्च पर रोक लगना चाहिए। साथ ही निर्णय लिया गया कि जो भी यह काम करेगा उसका मुस्लिम समाज बहिष्कार करेगा। जुम्मन मियां ने बताया कि शादी विवाह में फिजूल खर्च केवल दिखावे के लिए किया जाता है , जिसके कारण पुरा परिवार कर्ज.में डुब जाता है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार को शादी विवाह में मुस्लिम समाज सहायता भी करेगा। मौके पर कारी कुतुबुद्दीन, मकसूद आलम,शौकत मोहिउद्दीन, सरवर आलम आदि उपस्थित थे।

रेड रोज पब्लिक स्कूल में हुआ समर कैंप आयोजित

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर नप मुख्यालय स्थित रेड रोज पब्लिक स्कूल में समर कैंप का आयोजन किया गया। बच्चों ने समर कैंप में जमकर अनंद किया। इस दौरान कई प्रतियोगिता भी आयोजित हुई जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। मेहंदी, ड्राइंग, फैशन शो, गाना, नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने काफी रूची ली। कैंप में मोटिवेशन स्पीकर द्वारा बच्चों को उचित दिशा में मोटिवेट करने का प्रयास किया गया। कैंप समापन से पहले प्रतियोगिता के विजयी आतीभागियो के बीच पुरस्कारों का वितरण किया गया। विजेता बच्चों को विश्रामपुर थाना प्रभारी शशि रंजन, नप के प्रथम उपाध्यक्ष अजय बक्स राय व स्कूल के निदेशक राजन पांडेय ने संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया। थाना प्रभारी शशि रंजन ने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया और जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहने को कहा। उन्होंने रेड रोज के सकारात्मक पहल की सराहना की। कहा कि बच्चों में भौतिक विकास के लिए इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए। मौके पर अजहर अहमद, सोनी कुमारी, सुशांत कुमार, मोनू कुमार, सरिता कुमारी, संध्या कुमारी, सब्बू बानो, मेघा कुमारी सहित कई शिक्षक शिक्षिका, छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

रेलवे ने चौथी बार बीडीएम पैसेंजर को 29 जून तक के लिए किया बंद, यात्रियों में नाराजगी

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। डीडीयू रेल खंड के बरकाकाना से वाराणासी तक चलने वाली बीडीएम पैसेंजर स्पेशल ट्रेन पिछले पांच महीने से बंद है। विदित हो कि रेल उपभोक्ता समिति ने ट्रेन परिचालन की मांग को लेकर 18 मई को रेल चक्का जाम करने का निर्णय लिया था। लेकिन रेल प्रशासन ने मुगलसराय डीआरएम से समिति के शिष्टमंडल से वार्ता कर 29 मई से इस ट्रेन को चालू करने का आश्वासन दिया था। पर गत 26 मई को पूर्व मध्य रेलवे के सीपीटीएम की जारी अधिसूचना में अचानक इस ट्रेन का परिचालन स्थगन आदेश बढ़ाकर 29 जून कर दी गई है। इसका मुख्य कारण वाराणासी व गूलर में यार्ड रिमॉडलिंग कार्य अधूरा रहने व लोको यार्ड एक से तीन में कोच की वाशिंग क्षमता नहीं रहना बताया गया है। इसे लेकर क्षेत्र के कई संगठनों में रेल प्रशासन की गलत नीतियों के प्रति उबाल है।

दूसरी ओर, प्रदेश कांग्रेस के सचिव धनंजय तिवारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महासचिव हसनैन जैदी, राजद के प्रदेश महासचिव राज अली, झामुमो के वरीय नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान और डॉ एजाज हुसैन ने कहा कि रेल प्रशासन की ओर से इस गंभीर समस्या पर त्वरित पहल की जानी चाहिये। रेलवे कार्य को लेकर परिचालन में परेशानी है तो अन्य ट्रेनों के समान इस ट्रेन को शॉर्ट टर्मिनेशन के तहत मुगलसराय या काशी स्टेशन से बरकाकाना तक अविलंब परिचालन करायी जाये। अन्यथा आंदोलन करने को बाध्य होंगें।

रेल उपभोक्ता समिति 30 मई को निकालेगी आक्रोश रैली

इस संबंध में रेल उपभोक्ता समिति ने हाजीपुर रेल महाप्रबंधक को पत्र लिखकर बीडीएम पैसेंजर को मुगलसराय स्टेशन तक अविलंब चालू करने की मांग की है। ऐसा नहीं करने पर हैदरनगर स्टेशन परिसर में रेल प्रशासन के वादा खिलाफी के विरुद्ध 30 मई को रैली निकाल कर एक आक्रोश सभा करने की चेतावनी दी है।

अनियंत्रित होकर टैंकर पेड़ से टकरायी, बाल-बाल बचे लोग

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया यात्री सेड मोड़ के पास शनिवार की सुबह आठ बजे एनएच 39 पर अनियंत्रित होकर एक टैंकर पेड़ से टकरा गई, जिससे टैंकर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार चालक बहुत देर तक गाड़ी में फंसा रहा। सूचना मिलते ही सतबरवा थाना घटनास्थल पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से चालक को बाहर निकाला।

युवा जागृति संघ समर कैंप के माध्यम से बच्चों को दे रहा समग्र शिक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। बच्चों में व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए 'युवा जागृति संघ' तुकबेरा की ओर से गृष्मावकास में 20 मई से पांच जून 2023 तक समर कैंप का आयोजन किया गया है। 'राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, तुकबेरा टोला' नावाबाजार परिसर में आयोजित समर कैंप के माध्यम से बच्चों में गतिविधियों पर आधारित विभिन्न प्रकार की शारीरिक, कलात्मक, रचनात्मक, सृजनात्मक, सांस्कृतिक एवं सार्वभौमिक और बौद्धिक कलाओं के विकास को लेकर अवगत कराया जा रहा है। बच्चों को खेल-खेल में गतिविधियां आधारित क्रियाएं कराई जा रही है। बच्चे भी अपनी रूचि के अनुसार सीखकर आनंदित हो रहे हैं। संगीत कला के साथ वाद्य यंत्रों को सीख रहे बच्चे काफी उत्साहित हैं।

समर कैंप में बच्चों को विकास कुमार मेहता द्वारा जूडो कराटे, संजीत कुमार एवं नताशा कुमारी के द्वारा आर्ट एंड ड्रॉइंग, रघुनंदन ठाकुर एवं उनके टीम द्वारा सिंगिंग एंड म्यूजिक सिखलाई जा रही है। वहीं श्रीकांत पांडेय द्वारा देव भाषा संस्कृत का ज्ञान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कैंप में सोशल एक्टिविटी एंड विहैवियर चेंज के अंतर्गत बच्चों में नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक दायित्व को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। समर कैंप को सफल बनाने में युवा जागृति के संघ के सभी अधिकारी पदाधिकारीगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गांव के कई सम्मानित व्यक्तियों और उत्क्रमित मध्य विद्यालय तुकबेरा टोला के शिक्षकों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। बताया गया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों के पढ़ने- लिखने की प्रक्रिया की निरंतरता को बनाए रखने के उद्देश्य से समर कैंप उनके अधिगम स्तर में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास हो रहा है। यहां खेल- खेल में बच्चे गतिविधियां सीख रहे हैं, जिसका फायदा उन्हें कक्षाओं में मिलेगी और वह पढ़ाई-लिखाई में और बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

स्पोर्ट्स

धनबाद रेलवे स्टेडियम में 30 मई से शुरू हो रहे डे-नाइट टी-20 आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट की शनिवार को तारीख और समय सारणी जारी की गयी। टूर्नामेंट को दो ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं।

टी-20 आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट की तारीख-समय सारिणी जारी

30 मई को होगा नदीम और डीआरएम के बीच ट्रायल मैच

धनबाद (आजाद सिपाही)। रेलवे स्टेडियम में 30 मई से शुरू हो रहे डे-नाईट टी-20 आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर शनिवार को आयोजक इंडिगो क्लब और डीएसए रेलवे की ओर से मैचों की तिथि और समय जारी की गयी। इंडिगो क्लब के महासचिव एसए रहमान ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए और बी में कुल 6 टीमें होंगी। ग्रुप ए में एशियन हॉस्पिटल, ऑफिसर इलेवन, धनबाद क्लब व ग्रुप बी में 99 ग्रुप, धनबाद डायमंड, बीसीसीएल सिजुआ वारियर्स की टीम एक दूसरे से भिड़ेंगी। उद्घाटन के दौरान 30 मई को ट्रायल मैच नदीम वर्सेस और डीआरएम के बीच खेला जाएगा। इसके अलावे भारतीय टेस्ट क्रिकेटर शाहबाज नदीम को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने धनबाद वासियों से भारी संख्या में रेलवे स्टेडियम पहुंचने की अपील की है। कहा कि धनबाद के लिए यह बहुत रोमांचक टूर्नामेंट होने वाला है। इस अवसर पर रेलवे के खेल अधिकारी अजीत कुमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक सिंह, धनबाद डायमंड के सौमिक बनर्जी, बीसीसीएल से मोहम्मद मुबारक और परवेज आलम आदि उपस्थित थे।

5 अक्टूबर से शुरू होगा वनडे वर्ल्डकप टूर्नामेंट, 12 मैदानों पर होगा आयोजन

आइपीएल खत्म होते ही विश्व कप की तैयारी में जुटेगा बीसीसीआइ, तय होंगे आयोजन स्थल

एजेंसी

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2023 का आयोजन भारत में होना है। इसके लिए बीसीसीआई प्रबंधन आइपीएल के बाद तैयारी शुरू करेगा। आइपीएल 2023 का फाइनल मुकाबला रविवार को है। इसके बाद बीसीसीआइ उन मैदानों का चयन करेगा, जहां वनडे विश्व कप के मुकाबले होंगे। इस मैदानों का चयन करने के बाद स्टेडियम की मरम्मत भी की जाएगी। साथ ही टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वनडे विश्व कप का आयोजन 12 मैदानों पर होगा। टूर्नामेंट का पहला और आखिरी मैच गुजरात के अहमदाबाद स्टेडियम में होगा। पांच अक्तूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट का पहला मैच न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच होगा। वहीं, 19 नवंबर को फाइनल मैच अहमदाबाद के मैदान में होगा। भारत का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और दूसरा मुकाबला पाकिस्तान के साथ हो सकता है। 2023 वनडे विश्व कप के मैच अहमदाबाद के अलावा कोलकाता, दिल्ली, इंदौर, धर्मशाला, गुवाहाटी, राजकोट, रायपुर और मुंबई में हो सकते हैं। इस टूर्नामेंट में 10 टीमों के बीच 48 मुकाबले होंगे।

इन स्टेडियमों का होगा नवीनीकरण

स्टेडियम	शहर	लागत (रुपये में)
अरुण जेटली स्टेडियम	दिल्ली	100 करोड़
राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम	हैदराबाद	117.17 करोड़
ईडन गार्डन्स	कोलकाता	127.47 करोड़
पीसीए स्टेडियम	मोहाली	79.46 करोड़
वानखेड़े स्टेडियम	मुंबई	78.82 करोड़

मैदानों की मरम्मत करेगा बीसीसीआइ

बीसीसीआई ने इस साल देश में होने वाले वनडे विश्वकप से पहले पांच स्टेडियमों की हालात सुधारने का फैसला किया है। इन स्टेडियमों के नवीनीकरण में वह 502.92 करोड़ रुपये खर्च करेगा। प्रशंसकों की असुविधाओं को लेकर मिल रही लगातार शिकायतों के बाद बीसीसीआई ने स्टेडियमों का नवीनीकरण कराने का फैसला किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए फरवरी-मार्च में टेस्ट मैच के दौरान दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में गंदे टॉयलेट को लेकर प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर काफी आलोचना के साथ ही बीसीसीआई से शिकायत भी की थी। इसलिए अरुण जेटली स्टेडियम में उन पांच स्टेडियम में शामिल हैं जिसका नवीनीकरण होगा।

बोकारो में निःशुल्क बॉस्केटबॉल प्रशिक्षण समर कैंप का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो के सेक्टर 12 क्लब बास्केट बॉल ग्राउंड में सेवेंथ प्रोफेसनल बास्केट बॉल कोचिंग की ओर से 15 मई से 30 मई तक चलने वाली निःशुल्क बास्केट बॉल प्रशिक्षण समर कैंप के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसमें पूरे बोकारो के बच्चे अपने माता पिता के साथ आते हैं। यह बास्केट बॉल प्रशिक्षण इस संस्था की ओर से पिछले सात साल से आयोजित किया जा रहा है। कैंप प्रत्येक साल 15 से 30 मई तक आयोजित होता है। इस कैंप का मूल उद्देश्य बच्चे को ग्राउंड से जोड़ना और बास्केट बॉल खेल को लेकर आगे बढ़ाना है। साथ ही बच्चों को शरारिक और मानसिक रूप से मजबूत बनान है। कोच हारून अंसारी ने कहा कि ये जिला बास्केट बॉल एसोसियेशन के अंतर्गत सेवेंथ प्रोफेसनल बास्केट बॉल कोचिंग के माध्यम से चलाया जाता है। वहीं भाजपा ओबीसी मंडल अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि आज के समय में बच्चे हर समय मोबाइल में लगे रहते है, जिससे वे बीमार पड़ जाते हैं। यह बहुत अच्छा हुआ की अब बच्चे यहां आते हैं जिससे उनकी तंदुरुस्ती बनी रहती है। इस मौके पर हारून अंसारी, बिनोद कुमार, मनोज दुबे, निखिल ओझा, नीरज कुमार और विजय कुमार उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

रागिनी सिंह ने आजीवन सहयोग निधि में एक लाख रुपये देकर की अभियान की शुरुआत

धनसार/झरिया (आजाद सिपाही)। झरिया-कतरास मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय में आजीवन सहयोग निधि अभियान को लेकर शनिवार को बैठक हुई। जिसमें भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने सबसे पहले एक लाख रुपये देकर आजीवन सहयोग निधि अभियान की शुरूआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रागिनी सिंह ने की। जिसमें झरिया विधानसभा के पांचों मंडल अध्यक्ष सहित मोर्चा के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। रागिनी सिंह ने कहा कि भाजपा अपने नीति-सिद्धांतों के साथ अपनी कार्यपद्धति के बलबूते ही अन्य पार्टियों से अलग है। जिसका नेतृत्व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे है। आज उनके मार्गदर्शन पर देश बुलंदियों पर है। अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी देश की गरिमा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पार्टी समर्पण दिवस के अलावा धन संग्रह के लिए आजीवन सहयोग निधि अभियान भी चलाती है। उन्होंने कहा कि अभियान से पार्टी का संपर्क एवम सामाजिक जुड़ाव बढ़ेगा सहयोग निधि दाताओं के मन में राष्ट्र सेवा केलिए समर्पण का भाव और मजबूत होगा। रागिनी सिंह ने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास पर विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास हमारा नारा नही बल्कि संकल्प है। लोग सशक्त भारत के लिए सशक्त भाजपा भी देखना चाहते हैं। इसलिए जनता न सिर्फ मतों के माध्यम से बल्कि भाजपा के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग भी बढ़ चढ़कर करना चाहती हैं। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव , ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह चंद्रवंशी, संतोष सिंह, दिलीप भारती, झरिया नगर अध्यक्ष अरुण साव आदि मौजूद थे।

आंदोलनकारियों को चिह्नित कर आयोग को भेजी जायेगी सूची : मथुरा प्रसाद

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला परिषदन में शनिवार को झारखंड किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष रंजीत महतो के नेतृत्व में झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों को चिन्हित कर झारखंड सरकार के आंदोलनकारी चिन्हित आयोग के पास नामों की सूची भेजी जाएगी। आंदोलनकारियों में शत्रुघ्न महतो, कृष्णा महतो, कालीचरण महतो, लालमणि महतो, हराधन मोदक, मानिक चंद्र डे, केवल महतो, शिवचरण महतो, नकुल हेंब्रम, जगदीश मंडल, प्रभास प्रसाद सिंह, कन्हैया सिंह, लुखु हेंब्रम, बसंत सिंह, किशोर किस्कु, शिव शंकर महतो शामिल है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, जिला सचिव मनु आलम, जिला उपाध्यक्ष कालीचरण महतो, महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान, मदन महतो और बसंत महतो आदि मौजूद थे।

मासिक लोक अदालत का आयोजन 41 में से 23 वादों का हुआ निष्पादन

बोकारो (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुमारी रंजना अस्थाना के निर्देशानुसार बोकारो सिविल कोर्ट परिसर और तेनुघाट सिविल कोर्ट परिसर में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें वादों के निष्पादन के लिए बोकारो में दो और तेनुघाट में दो बेंच का गठन किया गया। जिसमें कुल 41 वादों को निष्पादन के लिए रखा गया। इसमें से 23 वादों का निष्पादन हुआ।इस दौरान 16 लाख 20 हजार 901 रुपये का समझौता राशि प्राप्त हुआ। इस बात की जानकारी बोकारो जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नीभा रंजना लकड़ा ने दी।

सीएमडी ने किया कंट्रोल रूम व विक्रय कार्यालय का उद्घाटन

बाघमारा/कतरास (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल के सीएमडी समीरण दत्ता एंव डीटी (पीएंडपी) उदय अनंत कावले ने शनिवार को बरोरा क्षेत्र के बेनीडीह केकेसी लिंक साइडिंग में नवनिर्मित कंट्रोल रूम एवं विक्रय कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान हाइवा चालकों के बीच वाटर बोतल का वितरण किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों के साथ उत्पादन बढ़ाने को लेकर समीक्षा बैठक की। बरोरा क्षेत्र के 45 लाख टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सीएमडी ने कई दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर जीएम (समन्वय) सुनील कुमार निगम, जीएम भू- संपदा जी आकरे, जीएम पियूष किशोर, एजीएम हरिहर दास, प्रभाष चौधरी, मुकेश कुमार, दीपक कुमार, चंदन राज, एके झा, संतोष कुमार सिन्हा, अभय नारायण आदि मौजूद थे।

जिला मारवाड़ी समेलन चार को, 90 फीसदी से अधिक अंक लानेवाले बच्चे किये जायेंगे सम्मानित

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से चार जून को राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। देश के सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता भावीन जे साह मुख्य वक्ता के रूप से शामिल होंगें। उक्त जानकारी धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने दी। वे शनिवार को धनबाद क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि समारोह में सीबीएसइ के साथ आइसीएसई बोर्ड के 10वीं और 12वीं की परीक्षा में 90 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले बच्चों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावे शिक्षा, सामाजिक कार्य, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले समाज के लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा। कृष्णा अग्रवाल ने बताया कि मारवाड़ी समाज शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्मशाला, पनशाला एवं अन्य क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों के लिए नि:स्वार्थ रूप से काम कर रहा है, जिसका लाभ सभी को मिल रहा है। बिना किसी सरकारी सहायता के समाज में मानव हित के लिए कार्यरत है। इस मौके पर चेतन गोयनका, अशोक केडिया, आरबी गोयल, संजीव अग्रवाल, ललित झुनझुनवाला, दीपक रूईया, शेखर शर्मा और राजेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

चाकू से किये ताबड़तोड़ कई वार, अंतड़ियां तक निकल गयीं बाहर, कुमारधुबी के शिवलीबाड़ी अली मुहल्ले की घटना

घर में ताक झांक करने से मना करने पर पड़ोसी की हत्या

घटना के बाद से आरोपित फरार, हत्या का मामला दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

मृतक राजू की फाइल फोटो।

हत्या के बाद रोते बिलखते परिजन।

चिरकुंडा। निरसा अनुमंडल क्षेत्र में अपराधियों का तांडव बदस्तूर जारी है। इसका ताजा उदाहरण शनिवार की सुबह 10 बजे कुमारधुबी ओपी क्षेत्र अंतर्गत शिवलीबाड़ी अली मुहल्ला में देखने को मिली। जहां एक अपराधी ने घर में ताकझांक का विरोध करने पर अपने पड़ोसी की पेट और गर्दन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की पहचान राजू अंसारी (24) के रूप में हुई है। राजू को स्थानीय लोगों की मदद से निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं आरोपित चंगलू अंसारी घटना के बाद से फरार है। दूसरी ओर, मृतक राजू की मां और उसकी पत्नी ने बताया कि आरोपी चंगलू खिड़की से घर के अंदर ताक-झांक करता था। इसी की शिकायत लेकर राजू चंगलू के घर पहुंचा। उसने चंगलू को घर के अंदर ताक-झांक करने से मना किया। इससे गुस्साए चंगलू ने चाकू निकाला और राजू के पेट और गर्दन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे जख्मी होकर राजू वहीं गिर पड़ा और बेहोश हो गया। चाकू के वार से उसकी अंतड़ी बाहर निकल गई थी। वारदात को अंजाम देकर चंगलू मौके से फरार हो गया। उधर, घटना की सूचना पाकर कुमारधुबी, गलफरबाड़ी और मैथन पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की। थोड़ी देर बाद एसडीपीओ पीतांबर सिंह खेरवार भी पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

चंगलू अंसारी पर पहले से कई आपराधिक मामले हैं दर्ज, हाल में आर्म्स एक्ट में जेल से छूट कर आया था

वहीं घटनास्थल पर पहुंचे निरसा एसडीपीओ पीताम्बर सिंह खेरवार ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस के पास वारदात के चश्मदीद गवाह मौजूद हैं। जिसके बयान पर आरोपी की पहचान कर ली गयी है। फिलहाल आरोपी चंगलू फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए आसपास के थाने की पुलिस को भी लगाया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि पूर्व में भी आरोपी चंगलू अंसारी को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वहीं स्थानीय लोगों की मानें तो आरोपी चंगलू अंसारी के खिलाफ आसपास के थानों में पहले से कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। वह कुछ दिन पहले ही जेल से छूट कर बाहर आया था।

घर के पास मिले खून के धब्बे

पुलिस चंगलू को गिरफ्तार करने के लिये उसके घर पर पहुंची लेकिन वह फरार था। पुलिस को उसके घर पर कोई नहीं मिला, लेकिन घर के सामने खून के धब्बे के निशान और चप्पल पाये गए।

दूसरी ओर, जिप सदस्य सह झामुमो नेता गुलाम कुरैशी घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के स्वजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। कहा कि कई बार शिकायत करने के बाद भी पुलिस चंगलू और उसके गिरोह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती है। बताया जा रहा है कि इस गिरोह पर स्थानीय एक जनप्रतिनिध का संरक्षण प्राप्त है।

सरकार गरीबों को कर रही परेशान: ढुल्लू महतो

कतरास में दूसरी बार चला निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

बाघमारा/कतरास। कतरास अंचल में शनिवार को नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने सड़क व नाली पर अवैध कब्जा जमाए दुकानदारों के खिलाफ दूसरी बार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इससे पहले बुधवार को भी अभियान चलाकर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की सख्त हिदायत दी गई थी। नही मानने पर नगर निगम की टीम ने गुहीबांध स्थित माडा ऑफिस के पास से अतिक्रमण हटाना शुरू किया। इसकी खबर सुनते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया। लोग खुद से ही अपने दुकान के ऊपर लगे करकट सीट खोलकर हटाने लगे। वहीं, जिन फुटपाथ दुकानदारों ने नाले के ऊपर निर्माण कर रखा था उसे निगमकर्मियों ने जेसीबी से तोड़ दिया। निगम की टीम गुजराती रोड स्थित बिहारी लाल चौधरी कपड़ा शोरूम पहुंची जहां जनरेटर नाली के ऊपर रखा था। इस पर निगम की टीम ने शोरूम से 25 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। नगर निगम के नगर प्रबंधक साबिर आलम ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार, टैक्स कलेक्टर कृष्णकांत सिंह, जूनियर इंजीनियर अभिमन्यु सिंह, कार्तिक उपाध्याय के अलावा दर्जनों नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। दूसरी ओर, धनबाद ननि द्वारा कतरास में अतिक्रमण हटाओं अभियान का बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने कड़े शब्दों में विरोध किया। कतरास स्थित भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेसन कर विधायक ने झारखंड सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोला। फुटपाथ दुकानदारों का पक्ष लेते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ी तो सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे। उन्होंने आरोप लगया कि केवल गरीबों को परेशान करती है। जबकि राज्य में कोयला, लोहा व बालू की खुलेआम चोरी-तस्करी हो रही है। झारखंड में अपराध चरम पर है। लेकिन सरकार का इस ओर ध्यान ही नहीं है। सरकार की इस कार्रवाई से कतरास के सब्जी, ठेला, खोमचा लगाने वाले हजारों लोग परेशान हैं। विधायक ने कतरास में नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ आंदोलन करने की बात कही। इस मौके पर भरत शर्मा, प्रकाश राम गुप्ता, प्रिंस शर्मा, प्रभात मिश्रा महेश पासवान, कंचन चौरसिया, धर्मेंद्र गुप्ता सूरजदेव मिश्रा आदि उपस्थित थे।

कतरास में अचानक गिरा मोबाइल टावर, कई घर तबाह

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिले के कतरास थाना क्षेत्र स्थित गुहीबांध में शनिवार को अचानक एक मोबाइल टावर भरभरा कर गिर गया, जिससे लोगों में अफरा तफरी मच गई। देखते ही देखते आसपास के आधा दर्जन घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक शख्स के घायल होने की भी सूचना है। उसे इलाज के लिए स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। बतातें चलें कि इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश है। वहीं घटनास्थल के पास एक और मोबाइल टावर लगा हुआ है, जिसे लोग हटाने की मांग कर रहे हैं। इस घटना से लोग डरे हुए हैं। लोगों का कहना है कि जब टावर लगाया जा रहा था तब भी ग्रामीणों ने इसका विरोध किया था, बावजूद इसके यहां मोबाइल टावर लगाया गया।

पूरे एक महीने चलाया जायेगा जनसंपर्क अभियान : पवन साहू

मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों व विकास कार्यों से लोगों को कराना है अवगत: बिरंची नारायण

आजाद सिपाही संवाददाता

भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक में उपस्थित नेतागण।

बोकारो। 30 मई से 30 जून तक चलाए जाने वाले महा जनसंपर्क अभियान की तैयारियों की समीक्षा को लेकर शनिवार को बोकारो परिसदन में बैठक की गयी। जिसमें झारखंड प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष पवन साहू और बोकारो विधायक बिरंची नारायण उपस्थित थे। बैठक में बोकारो जिला भाजपा महामंत्री, सभी मोर्चो के जिला अध्यक्ष व महामंत्री आदि भी शामिल हुए। इस दौरान पवन साहू ने कहा कि बोकारो जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा वार संयुक्त मोर्चा की बैठक की गयी। गोमिया विधानसभा क्षेत्र में युवा मोर्चा, बोकारो में किसान मोर्चा, बेरमो में ओबीसी मोर्चा की ओर से अलग-अलग समय में संयुक्त मोर्चा की बैठक करने का निर्णय लिया गया। जिसकी तैयारियों को लिए दो जून तक विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों के साथ बैठक की जानी है। वहीं सभी मंडलों में सात जून तक मंडल स्तरीय बैठक होनी है। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्री और केंद्रीय स्तर के नेताओं का समागम होगा। विधानसभा व लोकसभा स्तर पर 20 से अधिक कार्यक्रम होना है। हर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित संयुक्त मोर्चा सम्मलेन में भाजपा सहित सात मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहेंगे। वहीं, बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महा जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता घर-घर केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल के दौरान किये गए जनहित कार्यों को जनता के समक्ष पेश करेंगें। बैठक में अर्जुन सिंह, संजय त्यागी, जयदेव राय, माथुर मंडल, महेंद्र राय, मुकेश राय, विनोद महतो, रामलाल सोरेन, फटिक दास, विश्वनाथ महतो, कुलदीप महतो, जितेंद्र गोस्वामी, गोविंद टुडू, समीर दास, नारायण साई दास, अनिल मुर्मू, फिरोज अंसारी, राजेश बरनवाल, मनोज पांडे और महेंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

कार्यालयः– जिला अभियंता, लातेहार।

संशोधित सूचना

इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण संख्या–05/2023–24 प्रकाशित करायी गयी थी जिसका PR. No 298273 Rural Development (23-24)D है। उक्त निविदा में प्रखण्ड बारियातु के अतिरिक्त प्रखण्ड बालूमाथ एवं हेरहंज के निबंधित संवेदक भाग ले सकते है। निविदा के क्रमांक 06 पर अंकित निविदा खोलने की तिथि 02.06.2023 के अपराहन् 03:30 बजे समझा जाए।

शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

जिला अभियंता,
लातेहार।

PR 298494 Rural Development(23-24)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना।

निविदा संख्या.:– RWD/SD/LATEHAR/05/2023-24

1. विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता,ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 06.06..2023 (कार्यालय अवधि में)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 07.06.2023 को 3:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष, (पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थानः 07.06.2023 को 3:30 बजे अपराहन्, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, लातेहार।
7. झारखण्ड सरकार के अन्तर्गत अधीनस्थ ग्रामीण विकास विभाग(ग्रामीण कार्य विभाग) के समुचित श्रेणी में संबंधित संवेदक को ही प्ररिमाण विपत्र निर्गत किया जायेगा।
8. परिमाण विपत्र का मूल्य जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, लातेहार के पदनाम से देय होगा, जो भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा।
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार परिमाण विपत्र का 02 प्रतिशत राशि अग्रधन की राशि के रूप में जमा करना होगा।
10. ससमय कार्य पूर्ण करने एवं आवंटित कार्य के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने व गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसे संवेदक जिनके पास डी0एम0एफ0टी0 अन्तर्गत ली गयी योजना लातेहार जिलान्तर्गत लम्बित है, वैसे संवेदक को BOQ नहीं दी जायेगी।
11. कार्यकारी एजेंसी निविदा का शेर्तो में यह सुनिश्चित कर लें कि संवेदक को 05 वर्श की अवधि तक उक्त योजना की मरम्मति एवं रख–रखाव की जिम्मेदारी लें। इस आशय का दस्तावेज संवेदकों से सहमति पत्र के माध्यम से लें, इसके लिए 10% की प्रतिभूति राशि सुरक्षित रखी जायेगी। 05 वर्श की अवधि पूर्ण होने के पश्चात् राशि का भुगतान किया जायेगा। साथ–ही–साथ उपायुक्त, लातेहार के ज्ञापांक–180 दिनांक–25.05.2023 के अन्य शर्ते भी संवेदक को मान्य होगा।
12.. कार्य का विस्तृत विवरण :–

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	निविदा शुल्क	अग्रधन की राषि	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड लातेहार पंचायत बेन्दी के ग्राम गोदना में आँगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण।	1440500	2500	29000	3 माह	प्रथम

नियम एवं शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट या https://latehar.nic.in या www.jharkhandtender.gov.in पर देखे। कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।

PR 298455 Rural Development(23-24)D

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमण्डल, राँची

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक– 25.05.2023 को यूनिसेफ एवं पेयजल एंव स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों की उपस्थिति में पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकर्य प्रमण्डल, राँची अन्तर्गत रूक्का अवस्थित जलशोध संस्थान से किये जा रहे जलापूर्ति का जल नमूना लेकर राज्य स्तरीय जल जाँच प्रयोगशाला(NABL) में जाँच कराया गया। जिसमें जल नमूना पेयजल के मानक के अनुरूप पाया गया हैं। जो निम्नवत् है :–

OLD WTP :- Sample Code :- 230525-SW-A-008

Sl. No.	Test Parameter	Unit	Results	Method	Specification as per BIS- 10500:2012 (Second Revision) Amendment - Acceptable Limit	Permissible Limit (In Absence of Alternate source
1	PH	-	7.27	AOGA 23RD Ed2017-4500-H B(Electrometric method)	6.5-8-5	No relaxation
2	Total Dissolved Solids at 180⁰ C	Mg/L max	338	APHA 23RD Ed.2017-2540C (Total Dissolved Solids Dried at 180⁰ C)	500	2000
3	Turbidity	NTU max	5.0	APHA23rd Ed.2017-2130 B, (Nephelometric method)	1	5
4	Colour	Hazan Unit	15.0	APHA 23rd Ed.2017-2120 B, (Visual Comparison method)	5	15
5	Taste	-	Agreeable	IS 302(Part-7) Taste threshold	Agreeable	Agreeable

NEWWTP :- Sample Code :- 230525-SW-A-010

Sl. No.	Test Parameter	Unit	Results	Method	Specification as per BIS- 10500:2012 (Second Revision) Amendment - Acceptable Limit	Permissible Limit (In Absence of Alternate source
1	PH	-	7.68	AOGA 23RD Ed2017-4500-H B(Electrometric method)	6.5-8-5	No relaxation
2	Total Dissolved Solids at 180⁰ C	Mg/L max	228	APHA 23RD Ed.2017-2540C (Total Dissolved Solids Dried at 180⁰ C)	500	2000
3	Turbidity	NTU max	4.2	APHA23rd Ed.2017-2130 B, (Nephelometric method)	1	5
4	Colour	Hazan Unit	10	APHA 23rd Ed.2017-2120 B, (Visual Comparison method)	5	15
5	Taste	-	Agreeable	IS 302(Part-7) Taste threshold	Agreeable	Agreeable

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची।

PR.NO.298478 Drinking Water and Sanitation(23-24):D

टाटा स्टील फाउंडेशन ने उच्च रक्तचाप परीक्षण शिविर लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा रक्तचाप परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ढेंकानाल जिले के नरेंद्रपुर में स्थित टाटा स्टील मेरामंडली प्लांट के पास हिंदोल और ओडापड़ा ब्लॉक के आसपास के 6 गांवों में इस कैंप आयोजित किया गया था। इस शिविर में डॉ प्रजीत बानार्जी, डॉ सुबेस्चा महांति के साथ उनके सहयोगियों ने उपस्थित थे और लोगों के स्वास्थ्य की जांच की साथ रक्तचाप की जांच की। चूंकि उच्च रक्तचाप हृदय रोग का एक प्रमुख कारण है, शिविर में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को समझाया कि इसका निदान कैसे किया जा सकता है।

इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मी संदीप सुंदर बेहेरा, फकीर मोहन पात्र, संघमित्रा नाग और नर्मदा पलेई ने डॉ. बानार्जी और डॉ. महांति की टीम में शामिल होकर उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को अपने आहार और जीवन शैली में बदलाव की सलाह दी। इस कैंप में कुल 233 लोगों के ब्लड प्रेशर की जांच की गयी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, उच्च रक्तचाप समय से पहले मौत का एक प्रमुख कारण है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्य हाई ब्लड प्रेशर को पूरी तरह से खत्म करना है। विश्व का इस प्रमुख सगठन ने उच्च रक्तचाप के अलावा, मलेरिया, तपेदिक, एचआइवी/एड्स जैसी पुरानी बीमारियों की निराकरण और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए विभिन्न शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

उच्च शिक्षा विभाग ने लापरवाही के कारण 233 महाविद्यालय अध्यक्षों का वेतन रोका

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। 233 महाविद्यालय के अध्यक्षों का वेतन रोका गया है। यह फैसला उच्च शिक्षा विभाग ने लिया है। उच्च शिक्षा विभाग ने कार्य में लापरवाही के चलते ऐसा निर्देश जारी किया है। खबरों के मुताबिक सरकारी कार्यों के निष्पादन में लापरवाही बरतने पर उच्च शिक्षा विभाग एक्सन में आ गया है। बार-बार नोटिस देने के बावजूद बी 233 महाविद्यालय आवश्यक जानकारी प्रदान करने में विफल रहा। उच्च शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक के पत्र का जवाब नहीं देने पर महाविद्यालय अध्यक्ष व मुख्य किरानी के साथ किरानी के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। विभागीय पत्र का उत्तर न देना सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही एवं विभागीय अधिकारियों के आदेशों की पालना न करने की श्रेणी में आता है। ऐसी घोर लापरवाही के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने मई माह का वेतन नहीं लेने का आदेश दिया है।

हालांकि ये सारे कॉलेज अंगुल जिले में 5, बालेश्वर जिले में 15, बरगड जिले में 17, भद्रक जिले में 2, बलांगीर जिले में 24 और बौध जिले में एक महाविद्यालय के अध्यक्षों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गयी है। इसी तरह कलाहांडी जिले में 5, कंधमाल जिले में 1, केंद्रापड़ा जिले में 6, क्योंझर जिले में 7, खुर्दा जिले में 6, कोरापुट जिले में 6, मालकानगरी जिले में 1, मयूरभंज जिले में 8, नबरंगपुर जिले में 2, नयागड जिले में 7, नुआपड़ा जिले में 1, पुरी जिले में 10, रायगड़ा जिले में 3, संबलपुर जिले के 7, सोनपुर जिले के एक और सुंदरगड जिले के 5 कॉलेजों के अध्यक्ष के साथ मुख्य किरानी/किरानी के खिलाफ उच्च शिक्षा विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है।

एमसीएल की जागृति महिला मंडल समाज सेवा के लिए समर्पित है

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। विगत 24 मई,2023 को एमसीएल जागृति महिला मंडल के द्वारा एक ऐसा अनूठा नेक कार्य किया गया जो समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। जागृति महिला मंडल की अध्यक्षा पद्मजा सिंह एवं उपाध्यक्ष अल्पना शुक्ला राव, सरिता पटेल, आरती बोरा और रश्मि बेहुरा के कर कमलों से एक असहाय, निर्बल स्त्री को ठेला समर्पित किया गया।यह महिला सिर पर टोकरी रख कर घूम घूम कर सब्जी बेचती थी।अब उसके लिए यह काम ठेले के माध्यम से आसान हो जायेगा।महिला ने अपनी कृतज्ञता जाहिर करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय के छात्र को 12वीं कक्षा की पुस्तकें भी प्रदान की गयी। इसी छात्र को जागृति महिला मंडल द्वारा पिछले वर्ष भी 11वीं कक्षा की पुस्तकें दी गई थी।छात्र के अभिभावक ने प्रसन्न होते हुए सभी को धन्यवाद किया।

कमल वॉच को ने ओड़िशा में तीसरा शोरूम खोला

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। लक्जरी की दुनिया में एक प्रमुख नाम कमल वॉच को ने भुवनेश्वर में अपना तीसरा शोरूम लॉन्च किया है, जो भारत के 50वां शोरूम के रूप में गिनती हो रही है। उद्घाटन समारोह शनिवार को भुवनेश्वर जयदेव विहार में सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। इसमें जगन्नाथ स्वाइं महापात्र पुरी, श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी और प्रसिद्ध फिल्म स्टार और सांसद अनुभव महांति उपस्थित थे।

जगन्नाथ स्वाइं महापात्र ने कमल वॉच को की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कमल वॉच कंपनी के 50वें शोरूम के लॉन्च को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस ब्रांड ने भारत के लोगों को बेहतरीन कुछ समय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लोकप्रिय फिल्म स्टार और सांसद अनुभव महांति ने इस कार्यक्रम में अपना उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कमल वॉच को लगातार लक्जरी घड़ियों के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य स्थान रही है, और मैं उन्हें इस उल्लेखनीय मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए बधाई देता हूं।

कमल वॉच कॉन्सेप्ट्स के निदेशक निशांत टोटला ब्रांड के लिए अपना आभार और दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए कहा कि कमल वॉच को के साथ जुड़ना एक सम्मान की बात है, एक ऐसा ब्रांड जो चमत्कारिता अतुलनीय और असाधारण कारीगर कौशल का उदाहरण है। इस शोरूम के लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य एक अपूर्व अभिज्ञता प्रदान करना है। कमल वॉच को ने खुद को घड़ियों की दुनिया में एक अग्रणी प्राधिकरण के रूप में स्थापित किया है, जिसके देश भर में 50 स्टोर 70 सम्मानित ब्रांडों से 5,000 से अधिक स्टाइल के उल्लेखनीय चयन की पेशकश करते हैं। उत्कृष्टता और ग्राहकों की संतुष्टि के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता ने इसे समझदार ग्राहकों के बीच 'सर्वश्रेष्ठ घड़ी डीलर' का प्रतिष्ठित खिताब दिलाया है। एबिड्स, हैदराबाद में 1969 में इसकी स्थापना के समय से चली आ रही विरासत के साथ, कमल वॉच को समयानुसार में सटीकता, उपयोगिता और सुंदरता की खोज में अथक रही है। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक इसकी कमान संभालते हुए, ब्रांड ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि की है, 1998 से देश भर में 50 से अधिक स्टोरों के साथ अपना विस्तार किया है। कमल वॉच को आधी सदी से ग्राहकों की भरोसेमंद भागीदार रही है।

मोरम माफिया ने तहसीलदार और आरआइ पर किया जानलेवा हमला

भुवनेश्वर-ढेंकानाल (आजाद सिपाही)। मोरम माफिया ने परजंग के तहसीलदार और आरआइ पर जानलेवा हमला किया। गौरतलब है कि ढेंकनाल जिले के परजंग पथरखंब गांव के पास एक सरकारी जमीन पर तहसीलदार उस समय छापा मारने गये थे, जब मोरम की खुदाई की जा रही थी। वहां पर उपस्थित 7 से 8 बदमाशों ने तहसीलदार और आरआई के ऊपर जानलेवा हमला किया और बांह से फरार हो गए . तहसीलदार को गंभीर हालत में कामक्षानगर मेडिकल में भर्ती कराया गया है। कई बार देखा गया कि कुछ असामाजिक लोग और माफिया ने सरकारी अधिकारियों पर हमला कर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जंगल हर क्षेत्र में अक्सर फ्रॉड होता है। हालांकि इस तरह की शिकायत आने पर सरकारी अधिकारी मौके पर जाते हैं और इसे रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से कई बार सरकारी अधिकारी माफिया और बदमाश का शिकार हो जाते हैं।

भुवनेश्वर से सिंगापुर के लिए 3 जून से उड़ान भरेगा विमान

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही। तीन जून से भुवनेश्वर से सिंगापुर के लिए उड़ान भरेगी। शुक्रवार को राज्य के पर्यटन मंत्री अश्विनी पात्र ने इसकी जानकारी दी। सिंगापुर में रहने वाले प्रवासी ओड़िया की ओर से एक संबर्धना सभा का आयोजित की जायेगी। मंत्री अश्विनी पात्र ने कहा कि जिस तरह दुबई के लिए विमान उड़ान भरने पर स्वागत किया गया था, उसी तरह सिंगापुर में ओड़िया समुदाय की ओर से भी एक कार्यक्रम किया जायेगा।

4 जून को पवित्र देवस्नान पूर्णिमा

भुवनेश्वर-पुरी (आजाद सिपाही)। 4 जून को पवित्र देवस्नान पूर्णिमा। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था किया गया। इस अवसर पर शुक्रवार को पुरी एसपी ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। 70 प्लाटून पुलिस बल श्रद्धालुओं की श्रुखंलित दर्शन के साथ सुरक्षा की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा 20 अतिरिक्त एसपी के साथ दक्ष अधिकारी और 90 वरिष्ठ अधिकारी भी दायित्व में रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को 5 भागों में बांटा गया है। मंदिर के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था अपनायी गयी है। एसपी ने बताया कि इसी तरह श्रद्धालुओं के व्यवस्थित दर्शन के लिए मचीकोट चॉक से बैरिकेड्स की व्यवस्था की जाएगी. स्नान यात्रा के दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा इसे ध्यान में रखते हुए सभी इंतजाम किये गये है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**